सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 160 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 25 मार्च 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

परिवहन में महिलाओं की धमक : कबीरधाम में 'दीदियों' ने संभाली स्टीयरिंग, उपमुख्यमंत्री बने सवारी

श्रीकंचनपथ समाचार

कबीरधाम। जिले में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अभिनव और प्रेरणादायक पहल सामने आई है, यहां परिवहन व्यवसाय में महिलाओं की भागीदारी का नया अध्याय शुरू हुआ है। इस अवसर पर स्व सहायता समूहों से जुड़ी महिला ने जब स्टीयरिंग संभाली तो उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी उनके पैसेंजर बन गए। पहले परिवहन व्यवसाय केवल पुरूष प्रधान कार्य माना जाता था, जिस मिथक को तोड़ अब समूह की महिलाएं स्टेयरिग थामकर आजीविका का सशक्त साधन तैयार करने के साथ ग्रामीण परिवहन व्यवस्था को भी नई गति देने जा रही हैं।

सरस मेले के शुभारंभ के अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने जिले की 10 महिला समूहों को 'आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस' योजना के तहत सीएलएफ मैजिक वाहन वितरित किए। इस दौरान श्री शर्मा ने कहा कि इन वाहनों का वितरण महिलाओं को आर्थिक रूप से

सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रत्येक वाहन की लागत लगभग 7.50 लाख रुपये है, जिसमें से 5 लाख रुपये केंद्र सरकार द्वारा अनुदान के रूप में दिए गए हैं। शेष राशि का प्रबंधन संबंधित समूहों द्वारा किया गया है, जिससे महिलाओं में आत्मनिर्भरता और जिम्मेदारी का भाव आएगा।

उन्होंने कहा कि अब स्व सहायता समूह की महिलाएं अपने क्षेत्रों में यात्रियों को परिवहन सुविधा उपलब्ध कराकर आय का स्रोत विकसित करेंगी। विशेष रूप से दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में यह पहल आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी, जहां अब तक परिवहन की कमी एक बड़ी समस्या रही है। श्री शर्मा ने कहा कि यह पहल केवल शुरुआत है। यदि महिलाएं इस अवसर का पूरी लगन और समर्पण से उपयोग करें, तो वे लखपति दीदी बनने के लक्ष्य को भी प्राप्त कर सकती हैं। यह योजना महिलाओं की आय में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें आत्मसम्मान और समाज में नई पहचान दिलाने का माध्यम बनेगी।

खास-खबर

दमराही घाट पर गंगा नदी में 6 लड़के डूबे, 2 की मौत

पटना। चैती छठ के समापन के दिन पटना में एक बड़ा हादसा हो गया। यहां मालसलामी थाना इलाके में गंगा नदी में नहाने उतरे 6 में से 2 लड़कों की डूब कर मौत हो गई। जबकि एक लड़का गंगा नदी में लापता हो गया। इस हादसे के बाद इलाके में मातम पसर गया। छठ के दूसरे अर्घ्य के समापन के दौरान ही ये लड़के गंगा नदी में नहाने के लिए उतरे थे। इसी दौरान सभी 6 लड़के नदी में डूबने लगे।

युद्ध संकट के बीच भारत ने सिएरा लियोन को भेजा 1000 मीट्रिक टन चावल

नई दिल्ली। ईरान-इजराइल युद्ध के बीच भारत दक्षिण के देशों के साथ संबंध बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में भारत ने एक बड़ा कदम उठाते हुए आज सिएरा लियोन की स्कूली मध्याह्न भोजन योजना के समर्थन में 1,000 मीट्रिक टन चावल भेजा है। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। सिएरा लियोन पश्चिम अफ्रीका के तट पर स्थित एक छोटा, उष्णकटिबंधीय देश है, जो गिनी, लाइबेरिया और अटलांटिक महासागर से घिरा है।

31 तक नहीं दिया प्रॉपर्टी टैक्स तो सीलिंग-कुर्की तय

रायपुर। रायपुर नगर निगम ने बकायेदारों को साफ चेतावनी दी है कि 31 मार्च 2026 से पहले अपना पूरा प्रॉपर्टी टैक्स जमा कर दें, वरना कुर्की और सीलबंदी जैसी सख्त कार्रवाई की जाएगी। तय समय सीमा के बाद बकाया राशि पर 17 प्रतिशत अधिभार के साथ वसूली की जाएगी। निगम के राजस्व विभाग ने अपील की है कि सभी बड़े बकायेदार तत्काल बकाया जमा कर कार्रवाई से बचें। साथ ही आम नागरिकों से भी समय पर टैक्स जमा करने की अपील की गई है, ताकि अतिरिक्त शुल्क और कार्रवाई से बचा जा सके। टैक्स के लिए नगर निगम के सभी 10 जोन कार्यालयों के राजस्व विभाग 31 मार्च तक छुट्टियों में भी खुले रहेंगे।

चंद्रखुरी धाम में माता कौशल्या महोत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ : श्रद्धा और संस्कृति की झलक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। ग्राम चंद्रखुरी (जिला रायपुर) स्थित पावन माता कौशल्या धाम में माता कौशल्या महोत्सव 2026 का भव्य और गरिमामय शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय इस महोत्सव के प्रथम दिवस पर श्रद्धा, भक्ति और छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-सांस्कृतिक परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा।

महोत्सव के पहले दिन दोपहर 3 बजे मानस मंडलियों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जहां तीन प्रमुख मंडलियों ने अपनी मधुर वाणी से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। सायं 6 बजे अतिथियों ने माता कौशल्या के दर्शन, पूजन एवं आरती कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की तथा इसके पश्चात विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए शासन की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की।

मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब तथा अध्यक्षता सुश्री मोना सेन ने की। संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विभागीय गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, वहीं अतिथियों ने अपने संबोधन में माता कौशल्या की महिमा, छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत तथा लोक परंपराओं के संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। रात्रि 8 बजे 'रंग छत्तीसा' कार्यक्रम के अंतर्गत श्रीमती पूनम विराट तिवारी एवं छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच द्वारा प्रस्तुत आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और देर रात तक तालियों की गूंज बनी रही।

चंद्रखुरी स्थित माता कौशल्या धाम देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। यह स्थान भगवान श्रीराम की माता कौशल्या का जन्मस्थान माना जाता है, जिसके कारण इसकी धार्मिक महत्ता अत्यंत बढ़ जाती है। मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह एक विशाल सरोवर के मध्य द्वीप के रूप में स्थित है, जहां तक सुंदर पुल के माध्यम से पहुंचा जाता है। जल से घिरा शांत वातावरण, भव्य मंदिर संरचना और आध्यात्मिक ऊर्जा इसे एक अनूठा तीर्थस्थल बनाते हैं, जो श्रद्धालुओं के साथ-साथ पर्यटकों को भी आकर्षित करता है।

राज्य सरकार द्वारा माता कौशल्या धाम को राष्ट्रीय स्तर के धार्मिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। मंदिर परिसर का समग्र विकास, सौंदर्यीकरण, आकर्षक लैंडस्केपिंग, प्रकाश व्यवस्था तथा पर्यटकों के लिए मूलभूत सुविधाओं एवं पार्किंग की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही रायपुर से चंद्रखुरी तक सड़क मार्ग को सुगम एवं सुदृढ़ बनाया गया है, जिससे यहां पहुंचना आसान हो गया है। सांस्कृतिक आयोजनों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे भव्य कार्यक्रमों का आयोजन संभव हो रहा है।

अवैध शिकार: वन विभाग ने नौ तेंदुआ खाल तस्करों को पकड़ा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन्यजीव संरक्षण को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान में वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। 19 मार्च 2026 को केशकाल वनमंडल और राज्य स्तरीय उड़नदस्ता दल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तेंदुए की खाल की तस्करी में शामिल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में उड़नदस्ता अपना काम कर रहा है। मुखबिर की सूचना पर वन विभाग की टीम ने जाल बिछाया। एक कर्मचारी ने खरीदार बनकर तस्करों से संपर्क किया। जैसे ही आरोपी तेंदुए की खाल लेकर रसगांव-बड़ेडोंगर मार्ग स्थित ग्राम बैलगांव पहुंचे, टीम ने उन्हें घेरकर पकड़ लिया। मौके से 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि तेंदुए का शिकार लगभग 7 महीने पहले भरमार बंदूक से किया गया था। आरोपियों की निशानदेही पर मुख्य आरोपी को नारायणपुर जिले के ग्राम बोरावण्ड से गिरफ्तार किया गया तथा शिकार में प्रयुक्त बंदूक भी जब्त की गई। बरामद तेंदुए की खाल की लंबाई 195 सेंटीमीटर और चौड़ाई 45 है। वन मंडलाधिकारी दिव्या गौतम के निर्देशन में कार्रवाई जारी है।

दिल्ली में रायसीना हिल्स और अकबर रोड से कांग्रेस का दफ्तर हटाने की नोटिस, 28 मार्च तक की मोहलत

नई दिल्ली (ए.)। कांग्रेस पार्टी को 24 अकबर रोड वाला दफ्तर 28 मार्च तक खाली करना होगा। एस्टेट डिपार्टमेंट ने पार्टी को नोटिस दिया है। हालांकि, कांग्रेस मुख्यालय पहले ही इंदिरा भवन शिफ्ट हो चुका है पर पार्टी इस बंगले को खाली नहीं करना चाहती है।

अकबर रोड वाला दफ्तर 4 प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, पीवी नरसिम्हा राव और

मनमोहन सिंह के कार्यकाल का गवाह रहा है। एस्टेट डिपार्टमेंट ने कांग्रेस के 5 रायसीना हिल्स रोड स्थित इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यालय के लिए भी एक और नोटिस जारी किया है।

सूत्रों का अनुसार कांग्रेस सरकार के इस रवैए के खिलाफ कोर्ट में अपील करेगी। कांग्रेस का आरोप है कि 1 अशोक रोड या पंत मार्ग वाले भाजपा के दफ्तर भी खाली नहीं करवाए गए हैं। कांग्रेस ने 14 जनवरी 2025 को अकबर रोड वाले ऑफिस से अपना दफ्तर इंदिरा भवन में शिफ्ट कर लिया था। 46 साल बाद पार्टी ने अपना पता बदलकर इंदिरा भवन किया था।

जग्गी हत्याकांड केस फिर खुला, 1 अप्रैल को होगी अंतिम सुनवाई

बिलासपुर। सियासी गलियारों में हलचल मचाने वाला छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड केस हाईकोर्ट में रिओपन हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बुधवार को चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच में केस की सुनवाई हुई। इस दौरान सतीश जग्गी भी उपस्थित हुए। डिवीजन बेंच ने केस की अंतिम सुनवाई के लिए एक अप्रैल की तारीख तय की है।

पब्लिक ईवेन्ट्स में 'वंदे मातरम्' का गायन अनिवार्य नहीं, जब सजा होने लगेगी, तब विचार करेंगे :सर्वोच्च न्यायालय

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' गाने के संबंध में एमएचए के सर्कुलर के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि यह निर्देश अनिवार्य नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि सर्कुलर को चुनौती देने वाली याचिका समय से पहले दायर की गई है और यह भेदभाव की आशंका पर आधारित है।

सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत,

जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि गृह मंत्रालय की एडवाइजरी में वंदेमातरम न गाने पर किसी भी तरह की सजा का प्रावधान नहीं है।

बेंच ने कहा- ये दिशानिर्देश केवल एक प्रोटोकॉल हैं और इनका पालन करना अनिवार्य नहीं है। जब दंडात्मक कार्रवाई होगी या इसे गाना अनिवार्य किया जाएगा, तब हम इन सब बातों पर ध्यान देंगे।

याचिका मुहम्मद सईद नूरी ने दायर की थी। याचिकाकर्ता के वकील संजय हेगड़े ने कहा कि वंदेमातरम गाते समय व्यवधान करने पर सजा का प्रावधान है।

रेलवे ने फिर बनाया माल भेजने का रिकार्ड

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने एक बार फिर भारतीय रेलवे में अपनी नंबर-वन स्थिति कायम रखते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जोन ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के समाप्त होने से 10 दिन पहले ही 21 मार्च तक 29,493.59 करोड़ रुपए का सर्वाधिक ऑरिजिनेटिंग फ्रेट रेवेन्यू अर्जित कर रिकॉर्ड बनाया है। इस उपलब्धि के साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे देश में सबसे अधिक माल राजस्व अर्जित करने वाला जोन बन गया है।

भारतीय रेलवे के कुल माल राजस्व में इसका योगदान 17.13 प्रतिशत रहा है। साथ ही पिछले वर्ष की तुलना में 1026 करोड़ रुपए यानी 3.6 प्रतिशत की वृद्धि भी दर्ज की गई है। माल परिवहन के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि नेट टन किलोमीटर के मामले में भी जोन ने नया इतिहास रचा है।

22 मार्च तक 146.75 बिलियन एनटीकेएम हासिल कर एसईसीआर ने देश में पहला स्थान प्राप्त किया है, जो पिछले वर्ष से 3.8 प्रतिशत अधिक है।

भिलाई-निगम में 838 करोड़ का बजट पेश : अफीम का मुद्दा गूंजा

भिलाई। भिलाई नगर निगम का आज विशेष बजट सत्र चल रहा है। महापौर नीरज पाल ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 838 करोड़ से अधिक का बजट पेश किया। सदन में अफीम का मुद्दा गूंजा। बीजेपी पार्षद पीयूष मिश्रा ने शिक्षा उपकर की राशि का मुद्दा उठाया। कांग्रेस पार्षद के. जगदीश ने कहा कि, अगर भ्रष्टाचार हुआ है, तो कार्रवाई करें। आयुक्त राजीव पांडेय ने कहा कि, आगे से शिक्षा उपकर की राशि को शिक्षा के लिए ही खर्च करेंगे।

नक्सल पापाराव ने 18 साथियों के साथ किया सरेंडर

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर को नक्सल मुक्त घोषित करने की डेडलाइन से करीब एक हफ्ते पहले बस्तर के अंतिम बड़े कैडर के नक्सली पापाराव ने सरेंडर कर दिया है। पापाराव अपने साथियों के साथ एके-47 समेत अन्य हथियार लेकर बीजापुर जिले के कुटरू थाने पहुंचा। यहां से बस सभी को लेकर जगदलपुर के लिए रवाना हुई।

पापाराव उर्फ मंगू (56) सुकमा जिले का रहने वाला है। वर्तमान में डीकेएसजेडसीएम का मेंबर है। साथ ही पश्चिम बस्तर डिवीजन कमेटी का इंचार्ज और दक्षिण सब जोनल ब्यूरो का सदस्य है। बस्तर के जल-जंगल जमीन से वाकिफ है इसलिए कई बार पुलिस की गोलियों से बचकर भाग निकला था।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कवर्धा में कहा कि 'कुल 18 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जिनमें नक्सली पापाराव भी शामिल हैं। इनमें 10 पुरुष और 8 महिलाएं हैं। बीजापुर से सभी को बस से जगदलपुर के लिए रवाना कर दिया गया है।

वजन घटाने की दवा पर सरकार की चेतावनी

नई दिल्ली। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने जीएलपी-1 आधारित वेट लॉस दवाओं की सप्लाई चेन में अनियमितताओं और बिना डॉक्टर की सलाह इनके इस्तेमाल पर चिंता जताते हुए देशभर में निगरानी बढ़ा दी है। सरकार ने कहा कि ये दवाएं केवल एडोक्रिनोलॉजिस्ट और इंटरनल मेडिसिन विशेषज्ञ की सलाह पर दी जानी चाहिए। कुछ मामलों में ही कार्डियोलॉजिस्ट द्वारा इनके उपयोग की अनुमति है।

होर्मुज में भारतीय जहाजों का ढाल बनी इंडियन नेवी

नई दिल्ली (ए.)। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज इस वक्त दुनिया में चिंता का विषय बना हुआ है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जंग का दुनिया भर में असर हो रहा है। समुद्री व्यापार और खासतौर पर एनर्जी सप्लाई पर असर पड़ा है। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से होने वाला ग्लोबल एनर्जी ट्रेड बाधित हो रहा है।

नवभारत टाइम्स ने खबर दी है कि भारत के जहाजों की यहां से आवाजाही हो रही है लेकिन ये एरिया बहुत रिस्की बना हुआ है। इस संवेदनशील स्थिति में इंडियन नेवी के वॉरशिप यहां से आ रहे भारतीय शिप को एस्कॉर्ट कर उनकी सुरक्षा तो सुनिश्चित कर ही रहे हैं साथ ही नेवी भारतीय जहाजों को हॉर्मुज पार

करने के लिए सुरक्षित रास्ते की जानकारी भी दे रही है।

सूत्रों के मुताबिक नेवी उन जहाजों के संपर्क में है जो एक-एक कर फारस की खाड़ी से हॉर्मुज स्ट्रेट पार कर बाहर निकल रहे हैं। जहाजों को एक-एक कर कॉन्टैक्ट में लेकर उन्हें सुरक्षित तरीके से स्ट्रेट पार कराया जा रहा है। हॉर्मुज स्ट्रेट पार करने के बाद नेवी के वॉरशिप उन्हें एस्कॉर्ट करते हुए आधे रास्ते तक सुरक्षित पहुंचा रहे हैं, ताकि संभावित खतरों से बचा जा सके।

इंडियन नेवी ने पहले ही अपनी तैनाती को हॉर्मुज स्ट्रेट के ईस्ट में ओमान की खाड़ी इलाके में बढ़ा दिया है। सूत्रों के मुताबिक एस्कॉर्ट मिशन लगातार जारी रहे, इसके लिए उस इलाके में पर्याप्त वॉरशिप और लॉजिस्टिक सपोर्ट तैनात किया गया है।

सुरक्षित रूट बता रही नेवी

इस एरिया में नेविगेशन भी चुनौती बना हुआ है। अमेरिकी ने दावा किया था कि ईरान ने हॉर्मुज स्ट्रेट के पास अंडरवॉटर माइंस बिछाई हैं। अगर ये माइंस वहां हैं तो किसी भी जहाज से टकराने या संपर्क में आने पर भारी नुकसान पहुंचा सकती हैं। पानी में कई दूसरे तरह के खतरे भी हो सकते है। इसलिए नेवी इंडियन फ्लैग्ड शिप्स को सुरक्षित रूट बताने में मदद कर रही है।

संपादकीय

लाचार पर मार

बीमा कंपनियों व अस्पतालों का मकड़जाल

बीमा कारोबार की जटिलताएं हमेशा से ही आमजन के लिए एक अनसुलझी गुत्थी रही हैं। हमारी भविष्य की आशंकाओं व भय पर फल-फूल रहे इस कारोबार को लेकर गाहे-बगाहे परेशान करने वाली खबरें आती रहती हैं। लेकिन इसके बावजूद तेजी से फल-फूल रहे विभिन्न बीमा कारोबारों की विसंगतियां कम नहीं हुई हैं। इसी तरह मेडिकल बीमा को लेकर बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आती रही हैं। दरअसल, लगातार महंगी होती चिकित्सा सुविधाओं के दौर में, भविष्य में महंगे इलाज का खर्च उठाने का भरोसा दिलाकर बीमा कंपनियां लोगों को बीमा पॉलिसियां खरीदने को मानसिक रूप से तैयार कर लेती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जब वास्तव में कोई बीमार पड़ता है तो इलाज पर हुए खर्च के भुगतान को लेकर तमाम किंतु-परंतु बीमा कंपनियां करने लगती हैं। कई खामियां निकाली जाती हैं, जिनके बारे में बीमा धारक को पता ही नहीं होता है। कई बार तो छिपे-ढके कारण बताकर चिकित्सा खर्च की भरपाई करने से भी मना कर दिया जाता है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीए के आंकड़ों ने बीमा कंपनियों के मुनाफा खेल को उजागर किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2024 में छब्बीस हजार करोड़ रुपये के बीमा दावे खारिज किए गए थे। निस्संदेह, ये आंकड़ा बीमा कंपनियों तथा पांच सितारा अस्पताल प्रबंधकों के अपवित्र गठबंधन को ही दर्शाता है। बाकायदा पिछले दिनों राज्यसभा में निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के अपवित्र गठजोड़ का मामला उठाया गया। जो हर साल हजारों लोगों को कर्ज व गरीबी की दलदल में धकेल देता है। अक्सर आरोप लगता है कि मरीजों को उपचार के मुकाबले बेहद कम राशि का भुगतान किया जाता है। ऐसा नहीं है कि प्राइवेट अस्पतालों व बीमा कंपनियों के मध्य सांठगांठ के मामले सामने नहीं आते। लेकिन हमारा नियामक-तंत्र सारे घटनाक्रम की अनदेखी कर देता है। विडंबना यह भी है कि केंद्र व राज्य सरकारों के स्तर पर भी इस मुनाफाखोरी पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया जाता है, जिससे लोगों को उलटे उस्तरे से मूंडने का खेल बदस्तूर जारी रहता है।

> “ दरअसल, लगातार महंगी होती चिकित्सा सुविधाओं के दौर में, भविष्य में महंगे इलाज का खर्च उठाने का भरोसा दिलाकर बीमा कंपनियां लोगों को बीमा पॉलिसियां खरीदने को मानसिक रूप से तैयार कर लेती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जब वास्तव में कोई बीमार पड़ता है तो इलाज पर हुए खर्च के भुगतान को लेकर तमाम किंतु-परंतु बीमा कंपनियां करने लगती हैं। कई खामियां निकाली जाती हैं, जिनके बारे में बीमा धारक को पता ही नहीं होता है। कई बार तो छिपे-ढके कारण बताकर चिकित्सा खर्च की भरपाई करने से भी मना कर दिया जाता है।

दरअसल, लोग जब कोई स्वास्थ्य बीमा कराते हैं तो उन बारीकियों के बारे में नहीं बताया जाता है, जिसके आधार पर मरीजों के चिकित्सा बीमा राशि को खारिज किया जाता है। अक्सर इलाज के बड़े खर्चे के दावे को कई मीन-मेख निकालकर नकार दिया जाता है। कई बार तो अमानवीयता की हदें भी सामने आती हैं जब मरीज की मृत्यु पर, खर्च चुकाने में असमर्थ होने पर अस्पताल प्रबंधक परिजनों को पार्थिव शरीर तक को देने से मना कर देते हैं। जबकि इस बारे में अदालत व सरकार की तरफ से सख्त आदेश हैं कि बकाया राशि के लिए किसी मरीज के शव को रोका नहीं जा सकता। दरअसल, चिकित्सा बीमा आज देश-दुनिया में बड़ा कारोबार बन गया है। लेकिन पश्चिमी देशों में भुगतान में ईमानदारी व कार्यशैली में पारदर्शिता से इस व्यवसाय का विस्तार हुआ है। लेकिन भारत में ईमानदारी, पारदर्शिता के अभाव व दोषपूर्ण कार्यशैली से चिकित्सा बीमा के औचित्य पर ही सवाल उठते हैं। सवाल उन सरकारी विभागों पर भी है, जो बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लगाने की पहल नहीं करती। तभी साल में करोड़ों रुपये की उगाही करने वाली बीमा कंपनियां कई तकनीकी वजहों से मरीज के इलाज में लगी रकम का बड़ा हिस्सा देने से मना कर देती हैं। वास्तव में जरूरत इस बात की है कि बीमा कराते वक्त ईमानदारी से बीमे से जुड़ी शर्तों से उपभोक्ता को अवगत कराया जाए। लेकिन इससे जुड़े जटिल व अस्पष्ट नियमों को पारदर्शी ढंग से समझाया ही नहीं जाता, जिसको वे बाद में इलाज कराने के उपरांत भुगतान रोकने का जरिया बना लेती हैं। जिसके चलते अक्सर अस्पताल में भर्ती होने पर आए खर्च और बीमा कंपनियों द्वारा भुगतान की गई राशि में बड़ा अंतर नजर आता है। निस्संदेह, देश में इस दिशा में उच्चस्तरीय स्वतंत्र जांच होनी चाहिए कि मरीजों को बीमे का कितना लाभ मिला और अस्पताल तथा बीमा कंपनियों के मुनाफे का स्तर क्या रहा। इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए निगरानी हेतु एक राष्ट्रीय तंत्र बनाया जाना जरूरी है।

भारत के ओलंपिक सपनों की ओर एक मजबूत कदम

डॉ. मनसुख मांडविया

भारत की खेल यात्रा अद्भुत विविधता से भरी हुई है। उत्तर-पूर्व के पहाड़ों से लेकर मध्य भारत के जंगलों तक, हमारे देश के हर कोने में प्रतिभा मौजूद है। खेलो इंडिया कार्यक्रम की शुरुआत को अब आठ वर्ष हो चुके हैं, और इतने कम समय में यह एक राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में विकसित हो चुका है। युवा खेल, विश्वविद्यालय खेल, बीच गेम्स और विंटर गेम्स जैसे विभिन्न आयामों के माध्यम से, खेलो इंडिया ने देशभर के युवा खिलाड़ियों की विविध प्रतिभाओं को पहचानने और उभारने में सफलता प्राप्त की है।

खेलो इंडिया जनजातीय खेल (केआईटीजी) का समावेश इस यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इसका पहला संस्करण 25 मार्च से 3 अप्रैल तक छत्तीसगढ़ में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 3,000 खिलाड़ी भाग लेंगे। इन खेलों में सात पदक खेल शामिल होंगे—एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, भारोत्तोलन, तीरंदाजी, तैराकी और कुश्ती प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

इन खेलों का आयोजन बस्तर क्षेत्र के जनजातीय बहुल जिलों, जो प्राचीन दंडकारण्य क्षेत्र का हिस्सा हैं, के साथ-साथ सरगुजा क्षेत्र, रायगढ़ और मानपुर जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। यह केवल एक और खेल प्रतियोगिता की शुरुआत नहीं है, बल्कि यह हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संकल्प का हिस्सा है, जिसके तहत भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को व्यापक बनाते हुए हर खिलाड़ी तक अवसर पहुँचाना है—चाहे वह किसी भी भौगोलिक या सामाजिक पृष्ठभूमि से आता हो। सीधे शब्दों में कहें तो यह हाशिए पर पड़े खिलाड़ियों को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास है।

जनजातीय क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने लंबे समय से देश को गौरवान्वित किया है। राजस्थान के महान तीरंदाज लिम्बा राम से लेकर झारखंड की तीरंदाजी स्टार दीपिका कुमारी तक, और अनेक हॉकी खिलाड़ियों से लेकर ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू तक, उनकी उपलब्धियाँ लाखों लोगों को प्रेरित करती हैं। ये उदाहरण इन क्षेत्रों में निहित अपार संभावनाओं को दर्शाते हैं।

कई जनजातीय क्षेत्र ऐसे भी हैं जो ऐतिहासिक रूप से सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना करते रहे हैं। इन क्षेत्रों के युवाओं के लिए पहचान और विकास के अवसर सीमित रहे हैं। ऐसे में, इन क्षेत्रों में संगठित खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक और राष्ट्र निर्माण की दिशा में मोड़ने का कार्य करता है। यह अनिश्चितता को अवसर में और अलगाव को समावेशन में बदलने का प्रयास है।

वास्तव में, हमारे माननीय प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण—खेलेगा भारत तो खिलेगा भारत—आज साकार हो रहा है। खेल आज एक सशक्त माध्यम और समान अवसर प्रदान करने वाला साधन बन चुका है, जो वंचित वर्गों के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर देता है। जनजातीय क्षेत्रों में खेलो इंडिया का विस्तार इसी दृष्टि का स्वाभाविक विस्तार है और यह इस विश्वास को मजबूत करता है कि खेल राष्ट्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। खेलो इंडिया जनजातीय खेलों का आयोजन स्थानीय खेल पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) पर भी दीर्घकालिक प्रभाव डालेगा। इससे जनजातीय क्षेत्रों में खेल अवसंरचना का विकास और उन्नयन होगा, साथ ही स्थानीय कोच, प्रशिक्षकों और सहयोगी कर्मचारियों के लिए रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। स्कूलों और सामुदायिक संस्थानों को दैनिक जीवन में खेल को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे जमीनी स्तर पर एक स्थायी और समावेशी खेल संस्कृति विकसित हो सके। ये खेलो इंडिया जनजातीय खेल केवल एक बार आयोजित होने वाला आयोजन नहीं हैं, बल्कि इन्हें खेलो इंडिया के वार्षिक कैलेंडर में स्थायी स्थान दिया जाएगा। इससे देशभर के जनजातीय खिलाड़ियों को निरंतर और नियमित मंच मिलेगा, जो उनके दीर्घकालिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक संस्करण के साथ ये खेल व्यापक खेलो इंडिया (इकोसिस्टम) पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक आधार के रूप में कार्य करेंगे। इस दृष्टि से, जनजातीय खेल केवल एक मंच नहीं, बल्कि एक समृद्ध खेल संसार में प्रवेश का द्वार हैं।

इन खेलों के माध्यम से हम प्रतिभाओं की पहचान और उनके विकास का लक्ष्य रखते हैं। राष्ट्रीय कोच, उच्च प्रदर्शन निदेशक और भारतीय खेल प्राधिकरण के तकनीकी विशेषज्ञ इन खेलों में उपस्थित रहेंगे। चयनित खिलाड़ियों को उन्नत प्रशिक्षण के लिए भाखेप्रा केंद्रों में भेजा जाएगा, जिससे वे अपने खेल करियर को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकें।

जैसे-जैसे भारत 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए प्रयासरत है, वैसे-वैसे प्रतिभाओं का दायरा बढ़ाना और भी आवश्यक हो जाता है। इसका अर्थ है देश के हर कोने तक पहुँचना और यह सुनिश्चित करना कि हर युवा खिलाड़ी—विशेषकर जनजातीय समुदायों से—अवसरों से वंचित न रहे। जनजातीय खेलों की शुरुआत इसी सोच का परिणाम है और यह भारत के विकसित होते खेल तंत्र की मजबूती को दर्शाता है।

खेल उत्कृष्टता की यात्रा अक्सर उन गाँवों और समुदायों से शुरू होती है जहाँ सपने तो होते हैं, लेकिन अवसर सीमित होते हैं। खेलो इंडिया जनजातीय खेलों के माध्यम से, सरकार खेल को इन्हीं क्षेत्रों तक पहुँचा रही है। इस प्रक्रिया में हम न केवल भविष्य के चैंपियनों को खोज रहे हैं, बल्कि भारत की प्रतिभा श्रृंखला को भी सशक्त बना रहे हैं, ताकि हम एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ सकें और 2036 तक शीर्ष 10 तथा 2047 तक शीर्ष 5 खेल राष्ट्र बनने के प्रधानमंत्री के लक्ष्य को साकार कर सकें।

(लेखक भारत सरकार में युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री हैं।)

हमारी नियति झूठमेव जयते

हरिशंकर व्यास

भारत हर दिन झूठ सुनता है। जैसे ताज़ा वाक्य है—हम बंगाल जीतेंगे और घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे! सोचें, भाजपा ने पूरा देश बारह वर्षों से जीता हुआ है और इन बारह वर्षों में बारह दर्जन घुसपैठिए भी भारत से नहीं निकाले गए! और तो और बांग्लादेश से सटे असम, त्रिपुरा, मणिपुर से लेकर दिल्ली, बिहार, यूपी आदि सभी को मोदी सरकार ने पिछले बारह वर्षों से जीता हुआ हैं, पर कितने घुसपैठिए भारत से निकाले गए? बावजूद इसके, फिर झूठ के बूते ही भाजपा बंगाल जीतेगी! ऐसे ही बाहर वर्षों से इज़राइल हमें सीमा सुरक्षा, आतंकवाद के मामले में ड्रोन आदि हर तरह की मदद करता हुआ है, लेकिन इन्हीं बारह वर्षों में पुलवामा से लेकर पहलगाम के आतंकी हमले हुए, जो न तो सामान्य थे और न जिनका कोई ज़िम्मेदार एक भी आतंकी पकड़ा गया। बावजूद इसके, नागरिकों में भय और असुरक्षा पैदा कर उनके वोट लेते रहने के लिए आतंक मिटाने का झूठा नैरेटिव स्थायी है।

सोचें, पिछले सप्ताह नई वैश्विक क्रांति एआई का दिल्ली में कैसा मेला-तमाशा हुआ? भारत को अमेरिका, चीन जैसा एआई महाबली बताया गया। जबकि इस सप्ताह की हक़ीक़त यह है कि भारत की आईटी कंपनियों के शेयर बुरी तरह गिरे। टीसीएस, इंफोसिस जैसी नामी कंपनियों के शेयरों की कीमत 18 से 25 प्रतिशत लुढ़की। अकेले फरवरी में भारत की आईटी कंपनियों का 47 बिलियन डॉलर वैल्यूएशन खत्म हुआ है। पर मुमकिन है इस सप्ताह से यह नया झूठ शुरू हो कि पहले से ही भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

यह छल होगा जीडीपी वृद्धि की गणना के आधार वर्ष को बदलकर। इस नए आधार वर्ष के साथ भारत की सांख्यिकी एजेंसी डिजिटल सेवाओं और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे नए क्षेत्रों के योगदान को जीडीपी में बढ़ाने वाली है। मतलब जैसे एआई में भारत हवाहवाई है, वैसे ही डिजिटल सेवाओं और सोलर यानी नवीकरणीय ऊर्जा में भी बस ऐवें ही है।

जबकि मैन्युफैक्चरिंग या खेती में ठोस उत्पादन या पैदावार के वास्तविक आँकड़े उपस्थित होते हैं। जैसे चीन के आँकड़े उसकी फैक्ट्रियों, खेती, इंफ्रास्ट्रक्चर, रोबोट, महानगरों के साक्ष्य से भी प्रकट हैं।

बड़ी है कामयाबी अब जश्न मनाने का वक्त

अब घर में गैस आ गई है। किचन हंस रहा है। गैस का चूल्हा हंस रहा है। अंग-अंग टूटा होने के बाद भी मैं हंस रहा हूं। तू हंस रही है, पर पड़ोसी रो रहा है। उसे लगता है मेरे हाथ बहुत लंबे हैं।

उठ गैसजली उठ! देख, तेरा योद्धा गैस सिलेंडर विजेता बनकर आया है। उठकर मेरा विजय तिलक कर। घर में गैस का सिलेंडर आने पर मंगल गीत गा। मोहल्ले में लड्डू बांट। आज की तारीख में जो गैस का सिलेंडर अपने घर ला रहा है, वह विजेता माना जा रहा है। सिलेंडर के लिए घंटों लाइन में लग पेशेंस के साथ अपनी बारी का इंतजार करना बच्चों का खेल नहीं। अगर किसी की पेशेंस को मापना हो तो उसे गैस सिलेंडर लेने के लिए लाइन में खड़ा कर दिया जाए। आंखें खोलकर देख, गैस के सिलेंडर के लिए चारों ओर कितना हाहाकार है? जनता का घरेलू गैसीय क्रंदन सुन! सरकार का गैस मल्हार सुन!

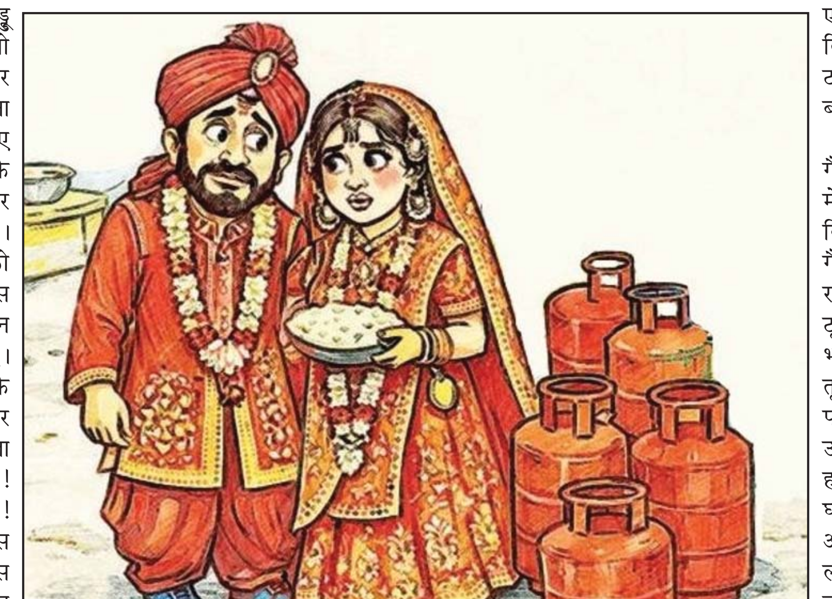

जिनके घरों में गैस सिलेंडर भरे हैं, वे अपने गैस सिलेंडरों के पास दिन-रात ठीकरी पहरा दे रहे हैं। जिनके पास लॉकर हैं, उनमें अपने भरे गैस के सिलेंडरों को लॉक करके रखा है। जो जैसे-कैसे घर गैस के भरे सिलेंडर लेकर आ रहे हैं, वे कड़ी सुरक्षा के बीच अपने कंधे पर गैस सिलेंडर उठाए आ रहे हैं। क्या पता रास्ते में कौन कच्छाधारी गिरोह उनका सिलेंडर लूट ले। गैस संकट के बीच जिधर देखो, वहीं गैस का काला बाजार है। आईसीयू से अधिक वेटिंग गैस के सिलेंडर की चल रही है।

देख पगली! कल तक जो लकड़ियों पर रोटी बनाने के नुकसान गिनाते नहीं थकते थे, आज वही गैस की किल्लत से जनता का ध्यान भटकाने के लिए जनहित में लकड़ियों पर बनी रोटी के फायदे गिनाने लगे हैं। मीडिया वाले टीवी पर लकड़ियों के चूल्हे पर बनती रोटियों की एक्सक्लूसिव फुटेज दिखाने लगे हैं। टीआरपी ऐसे ही बढ़ती है।

डियर गैसजली! अब घर में गैस आ गई है। किचन हंस रहा है। गैस का चूल्हा हंस रहा है। अंग-अंग टूटा होने के बाद भी मैं हंस रहा हूं। तू हंस रही है, पर पड़ोसी रो रहा है। उसे लगता है मेरे हाथ बहुत लंबे हैं। घर में गैस सिलेंडर आ जाने पर मैं लंबी लाइन में लगने की थकान भूल गया हूं। घर में गैस का सिलेंडर आ जाने पर अब तुझे बेड-टी पिलाने के बाद तुझे जागृति का मधुर गीत सुनाते-सुनाते जगाऊंगा। उसके बाद ब्रेकफास्ट में आज जो तू कहेगी वही तेरे लिए बनाऊंगा। मैं तेरी पसंद से बाहर थोड़े ही हूं पगली! लंच करने के बाद पड़ोसी के घर उसकी किचन के हाल देखने चलेंगे।

वक्त बदला है तो सास को भी बदलना होगा

कशामा शर्मा

हालांकि, अब महानगरों में बहुओं की पारंपरिक छवि टूट चुकी है। यों भी इन दिनों की नौकरियां ऐसी नहीं हैं कि नौकरी भी कर लो और घर के काम भी निपटा लो। इसलिए सहायक-सहायिकाओं की मदद लेनी पड़ती है।

पिछले दिनों अपने इसी अखबार के प्रथम पृष्ठ पर एक दिलचस्प खबर पढ़ी। इसमें बताया गया कि पंजाब के बठिंडा जिले के बल्लो गांव की पंचायत ने बेस्ट सास अवार्ड शुरू किया है। इसकी पहल गांव की सरपंच अमरजीत कौर ने की। इसे प्रति वर्ष आठ मार्च को यानी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिया जाएगा। छह महिलाओं को पुरस्कृत भी किया गया। यह पुरस्कार किन महिलाओं को दिया जाए, इसके लिए पूरे गांव से रिपोर्ट ली जाएगी। बहुओं और पड़ोसियों की राय पर भी ध्यान दिया जाएगा। सरपंच अमरजीत कौर ने यह भी कहा कि इससे पारिवारिक सम्बंध मजबूत होंगे। समझदार सास घर की नींव होती है, जो अपनी बहू को अपनाकर घर को स्वर्ग बना देती है। इस अवसर पर सबसे अधिक पुस्तकें पढ़ने वाली महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। अपने समाज में लड़की को बचपन से ही सिखाया जाता है कि उसे पराए घर जाना है। पराए घर जाकर सास से निपटना है। सास की तस्वीर बहुत डरावने ढंग से पेश की जाती थी।

बचपन की एक घटना अक्सर याद आती है। छठी कक्षा में पढ़ती थी। लड़कियों का स्कूल था। वहां एक बहुत वृद्ध महिला गणित पढ़ातीं। सफेद साड़ी ही पहनतीं। उनके बाल भी एकदम सन से सफेद थे। एक दिन गणित पढ़ाते-पढ़ाते, वे हम सब लड़कियों से कहने लगीं कि सिर्फ गणित पढ़ने से ही, सब कुछ नहीं होगा। जब ससुराल जाओगी तो वहां कैसे जीना है, यह सीखना पड़ेगा। एक लड़की ने पूछा कि बहन जी क्या सीखना होगा। तब वह हंसते हुए बोलीं कि सास के लिए इम्तिहान में पास होना। कैसा इम्तिहान, तो उन्होंने बताया कि हर सास का इम्तिहान लेने का तरीका अलग-अलग होता है। जैसे कि मेरी शादी जब हुई तो मैं बारह साल की थी। शादी के अगले दिन ही सास ने गेहूं और बाजरा मिलाकर सामने रख दिया कि इसे अलग-अलग करो। शाम तक काम पूरा करना है। घर के और काम भी थे। शाम क्या, पूरी रात हो गई, फिर भी नहीं कर पाई। इसी तरह एक दिन नमक और चीनी मिलाकर रख दी। नमक में से चीनी बीननी थी। शर्त यह भी थी कि चीनी से एक भी नमक का दाना चिपका नहीं रहना चाहिए।

उनकी बातें सुनकर घबराहट-सी होने लगी। घर जाकर मां को सारी बात बताई। यह भी पूछा कि क्या अम्मा (दादी) भी तुम्हारे साथ ऐसा करती थीं। मां ने हंसकर कहा, तेरी अम्मा बड़ी कठोर स्वभाव की थीं। बहुओं को पर्दे में रखती थीं, उनकी हर बात को मानना भी पड़ता था, मगर ऐसा कभी नहीं किया। ये तो टाइम खराब करना हुआ कि बाजरे में गेहूं मिला दो और चीनी में नमक। इससे तो गेहूं साफही करा लिए जाते, जिससे कि काम बचता। और नमक से चीनी चाहे जितनी अलग कर ली हो, नमकीन हो गई होगी। मां ने चाहे जितना समझाया, लेकिन सास की तस्वीर ऐसी बनी रही। बड़ी होकर जब भी साथ की किसी लड़की की शादी होती और वह कहती कि उसकी सास बहुत अच्छी हैं, तो लगता कि झूठ बोल रही है। क्योंकि मान लिया था कि सास खराब ही होती हैं, जो अक्सर दिखता भी था।

पुराने जमाने की हिंदी फिल्मों में भी ललिता पंवार मार्का सासें दिखाई देती थीं। जिनका पहला और आखिरी काम यही होता था कि वे बहू को कैसे सताएं। इसके लिए वे अपने बेटों को बहू को पीटने और शारीरिक हिंसा करने के लिए भी उकसाती थीं। जब बहू पिटती थी, दर्शक तालियां बजाते थे। ये वे बहुएं होती थीं, जिन्हें घुट्टी में पिलाया जाता था कि जिस घर में डोली गई, वहां से अर्थी ही उठे। ये अभागी महिलाएं करतीं भी क्या, क्योंकि शादी के बाद इन्हें अपने परिवार वाले भी ससुराल के भरोसे छोड़ देते थे। तलाक लेना बहुत बदनामी का कारण बनता था। ये बहुएं न शिक्षित थीं और न ही आत्मनिर्भर। आखिर जाती भी कहां। इसलिए सास और ससुराल को सहने और समझौता करने के अलावा और कोई रास्ता भी नहीं था। और तो और बहुत से परिवारों में गैस होते हुए भी अक्सर स्टोव बहुओं पर फट जाते थे। स्टोवों को भी मालूम था कि उन्हें बस बहुओं पर ही फटना है। अक्सर दहेज हत्याएं ऐसे ही की जाती थीं। इस संदर्भ में महान लेखिका महादेवी वर्मा का संस्मरण भाभी इतना मार्मिक है कि पढ़ते हुए आंसू बहने लगते हैं। यहां बहू को सताने के लिए सास नहीं, ननद है, वह भी विवाहित। जो जब आती है, तब अपनी विधवा भाभी को बुरी तरह से पीटती है, उसे जगह-जगह जलाती है। और उन्नीस साल की विधवा स्त्री, यह सब झेलने को मजबूर है।

इन सासों की मानसिकता पर ध्यान दें, तो ये अपनी सास के अत्याचार का बदला, बहुओं से लेती थीं। जो इन्होंने सहा, बहू भला उससे कैसे बचे और क्यों बचे। जबकि कायदे से होना यह चाहिए था कि जो अपमान, अत्याचार, जिल्लत, इन्होंने सही, वह बहू को न सहनी पड़े और एक तरह से अत्याचार का सिलसिला थमे। संयुक्त परिवारों की ये ऐसी आफतें थीं, जिनका शिकार बहुएं होती थीं। दहेज का तड़का इन अत्याचारों को बेतहाशा बढ़ाता था। इन दिनों भी बहुत-सी रील्स और वीडियो ऐसे दिखते हैं, जहां हर बात पर सास बहू को सताते दिखाई देती है, लेकिन अंत तक आते-आते सास का हृदय परिवर्तन हो जाता है।

आज वक्त बदला हुआ है। लड़कियां पढ़-लिख गई हैं। अपने पांवों पर खड़ी हैं। गांव-गांव लड़कियों की आत्मनिर्भरता को परिवार और समाज ने स्वीकार कर लिया है। उनकी शिक्षा चलती रहे, इसके लिए उन्हें तरह-तरह की सरकारी सहायता मिलती है। उनकी रक्षा के लिए बहुत से कानून भी हैं। और तो और संसद में वुमेन रिजर्वेशन बिल पास हो गया है। अब लड़कियां वह नहीं रहीं, जैसी ससुराल वाले उन्हें देखना चाहते हैं।

यदि वैवाहिक विज्ञापनों पर नजर डालें, तो अब भी फेयर एंड लवली, होमली कन्या चाहिए। पता नहीं इस होमली की क्या परिभाषा है। रील्स और वीडियो की मानूं तो ये कि बहू खूब पैसे भी कमाए, लेकिन अपनी तनख्वाह पति या सास के हाथों में दे। कपड़े ऐसे पहने, जो सास को पसंद हों। सवेरे जल्दी उठकर घर का काम निपटाकर जाए और आकर काम निपटाए। इसीलिए इन दिनों परिवार का ढांचा जल्दी ही टूट जाता है। बहुत से जोड़े जल्दी ही घर वालों से अलग रहने लगते हैं। ऐसा नहीं होता, तो तलाक ले लेते हैं। बढ़ते तलाक का एक बड़ा कारण भी परिवार वालों की भूमिका है। कुछ दिन पहले एक अध्ययन में बताया गया था कि तलाक के मामलों में अब लड़कियां पहल कर रही हैं। वे ऐसे सम्बंध में नहीं रहना चाहतीं, जो उन्हें पसंद न हो। कई बार शादी के एक-दो दिन बाद ही वे ससुराल लौटने से मना कर देती हैं। हालांकि, अब महानगरों में बहुओं की पारंपरिक छवि टूट चुकी है। यों भी इन दिनों की नौकरियां ऐसी नहीं हैं कि नौकरी भी कर लो और घर के काम भी निपटा लो। इसलिए सहायक-सहायिकाओं की मदद लेनी पड़ती है।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

प्राचार्य बोस ने सपत्नीक की मरणोपरांत देहदान की वसीयत

भिलाई। डीएवी स्कूल नारायणपुर के प्राचार्य असित बरन बोस व उनकी पत्नी श्रीमती मुनमुन बोस द्वारा आज मृत्युपरांत देहदान की घोषणा करने के साथ ही संभव अंग दान की शपथ ली। इस अवसर पर बेटी अर्पिता और दामाद सौरभ विश्वास साक्षी बने। श्री बोस भिलाई के ही रहने वाले हैं और संप्रति डीएवी स्कूल नारायणपुर में पदस्थ हैं। श्री बोस ने कहा कि उनका जीवन शिक्षा को समर्पित रहा है, इसलिए मृत्यु पश्चात शरीर को भी शिक्षा के लिए ही दान कर रहे हैं।

भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव 25 मार्च से 31 मार्च तक आयोजित होगा

दुर्ग। भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव नवकार महामंत्र जाप एवं सामयिक साधना के साथ जय आनंद मधुकर रतन भवन बांधा तालाब दुर्ग में 25 मार्च को प्रात: 7:00 बजे से प्रारंभ हुआ। महोत्सव के अध्यक्ष योगेश बरडिया विजय कोठारी संदीप निमाणी मनीष बड़जात्या प्रभात सांखला आकाश पारख प्रवीण बोदरा अक्षय जैन राहुल बरमेचा नितेश पारख संभव जैन कार्यक्रम के संयोजन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं वहीं प्रचार प्रसार का कार्य नवीन संचेती के कंधों पर दिया गया है सात दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में साध्वी श्री हेम प्रभा जी एवं साध्वी श्री रेखा जी महाराज साहब का विशेष सानिध्य प्राप्त होगा। 26 मार्च से 30 मार्च तक लगातार शहर के विभिन्न क्षेत्रों से भगवान महावीर के जयकारों के साथ प्रभात फेरी निकाली जाएगी दादाबाड़ी मालवीय नगर क्षेत्र पदमनाभपुर क्षेत्र महावीर कॉलोनी खंडेल वाल कॉलोनी ऋषभ नगर क्षेत्र उसके पश्चात बांधा तालाब से वर्धमान हाइट्स होते हुए ग्रीन सिटी तक चार दिनों तक प्रभात फेरी का संचालन होगा।

संयंत्र द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' विषय पर नराकास, भिलाई-दुर्ग स्तरीय 'नारा प्रतियोगिता' का पुरस्कार वितरण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के राजभाषा विभाग द्वारा 24 मार्च, 2026 को 'ऑपरेशन सिंदूर' विषय पर आयोजित 'नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग' (नराकास) स्तरीय नारा प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह मानव संसाधन विकास केंद्र के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक एवं व्यापार इकाई प्रमुख, (एनएसपीसीएल भिलाई) नील कुमार शर्मा थे। इस अवसर पर महाप्रबंधक (संपर्क, प्रशासन एवं जनसंपर्क तथा प्रभारी राजभाषा) एवं सचिव, नराकास भिलाई-दुर्ग राजीव कुमार सहित प्रतियोगिता के निर्णायकगण मुख्य प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा भिलाई निशेष काश्यप तथा महाप्रबंधक (टेलीकॉम) एचआर सिरमौर उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कनिष्ठ प्रबंधक (प्लांट गैरेज) अनिल कुमार अग्रवाल, द्वितीय स्थान उप प्रबंधक (सीएचएम-3) संदीप कुमार दीक्षित तथा तृतीय स्थान प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) अलंकार समद्दर ने प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार विजेताओं में अनुभाग अधिकारी (पीबीएस) प्रभा नायर, प्रशासनिक सहयोगी (हिर्री खदान) खगेन्द्र कुमार श्रीवास, सहायक महाप्रबंधक (एसपी-3) विकास प्रताप पिपरानी, सहायक प्रबंधक (गुणवत्ता विभाग), राइट्स लिमिटेड कृष्णा नन्द गिरि तथा एस.ओ. (एमआर-चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) ग्लोरी एस पारकर शामिल रहीं।

मुख्य अतिथि नील कुमार शर्मा ने प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल हिंदी के प्रति अनुराग को बढ़ाते हैं, बल्कि राष्ट्र भावना को भी सुदृढ़ करते हैं।

बीएसपी में ऑनलाइन व्हीकल एरिया पास प्रणाली का शुभारंभ, सुदृढ़ होगी सड़क सुरक्षा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र ने डिजिटल परिवर्तन की दिशा में दिनांक 23 मार्च, 2026 को ऑनलाइन व्हीकल एरिया पास प्रणाली का शुभारंभ किया। इस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग (एसईडी) एवं कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (सी एंड आईटी) द्वारा मानव संसाधन विकास केंद्र में एक प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का संयुक्त रूप से आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 140 ठेका पर्यवेक्षकों एवं उनके प्रतिनिधियों की सहभागिता रही।

उल्लेखनीय है की पहले व्हीकल एरिया पास प्रणाली पारंपरिक कागज आधारित प्रक्रिया थी, जिसे सीआईएसएफ द्वारा किया जाता था। जो अब नई ऑनलाइन उसका स्थान लेकर रीयल-टाइम डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पारदर्शिता, सुरक्षा अनुपालन एवं कार्यकुशलता को बढ़ावा देगी, साथ ही सीआईएसएफ कर्मियों एवं ठेका एजेंसियों के प्रशासनिक भार को भी कम करेगी।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) देबदत्त सतपथी, मुख्य महाप्रबंधक (सी एंड आईटी) समीर गुप्ता, महाप्रबंधक प्रभारी (सी एंड आईटी) नीना जायसवाल, निरीक्षक (सीआईएसएफ) मनोरमा तथा महाप्रबंधक (सी एंड आईटी) सरबानी दास उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समन्वयन महाप्रबंधक (एसईडी) जे. तुलसीदासन द्वारा किया गया एवं उप महाप्रबंधक (सी एंड आईटी) सुश्री रंजीता सोनपिप्रे द्वारा प्रणाली का विस्तृत तकनीकी प्रस्तुतीकरण दिया गया, जिसमें इसके संचालन तंत्र एवं उपयोगकर्ता इंटरफेस की जानकारी साझा की गई।

समीर गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि इंटरनेट आधारित तकनीकों को अपनाने से जटिल प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सरल होंगी तथा सभी हितधारकों की कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। वहीं देबदत्त सतपथी ने बताया कि पूर्व की मैनुअल प्रणाली में मानवीय त्रुटियों, कागजी कार्यवाही की जटिलताओं तथा वाहनों की सीमित ट्रैकिंग जैसी समस्याएँ थीं, जिन्हें यह नई डिजिटल प्रणाली दूर करेगी और संयंत्र परिसर में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सुश्री मनोरमा ने इस पहल की सराहना करते हुए परिवर्तन के इस चरण में सीआईएसएफ की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। सुश्री नीना जायसवाल ने प्रारंभिक चुनौतियों की संभावना को स्वीकार करते हुए त्वरित समाधान एवं सतत सहयोग का भरोसा दिलाया।

महाप्रबंधक (एसईडी) जे. तुलसीदासन ने कहा कि भारत में सड़क दुर्घटनाएँ मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक हैं तथा यह नई प्रणाली संयंत्र में गति नियंत्रण एवं सड़क सुरक्षा प्रोटोकॉल को सुदृढ़ करने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होगी।

एसपी-3 में वेल्डिंग एवं गैस कटिंग में सुरक्षा पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित

एसपी-3 विभाग द्वारा सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत वेल्डिंग एवं गैस कटिंग में सुरक्षा विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन प्रेरणा विकास केंद्र, में किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य उच्च जोखिम वाले कार्यों में सुरक्षा जागरूकता को सुदृढ़ करना तथा सुरक्षित कार्य व्यवहार को प्रोत्साहित करना रहा। प्रशिक्षण सत्र का संचालन औद्योगिक विशेषज्ञ महाप्रबंधक (मार्स-3) एवं सचिव, आईआईडब्ल्यू भिलाई चैप्टर राजेश अग्रवाल तथा कनिष्ठ कार्यपालक सहायक (मार्स) एवं राष्ट्रीय वेल्डिंग प्रतियोगिता के स्वर्ण पदक विजेता परमेश्वर लाटिया द्वारा किया गया।

भिलाई निगम क्षेत्र में 2 दिन बंद रहेगा मांस-मटन विक्रय केन्द्र

भिलाई। छत्तीसगढ़ शासन के पर्यावरण एवं नगरीय विकास विभाग के आदेशानुसार नगर पालिक निगम भिलाई सीमा के अंतर्गत संचालित पशुवध गृह एवं समस्त मांस विक्रय की दुकानें दिनांक 26.03.2026 दिन गुरूवार को रामनवमी एवं दिनांक 31.03.2026 दिन मंगलवार को महावीर जयंती पर्व के अवसर पर बंद रखी जावेगी। समस्त मांस मटन विक्रेता शासन के इस आदेश का कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें। दुकान खुली पाए जाने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बीएम शाह हॉस्पिटल एंड रिसर्च को एनएबीएच ने दिया फाइनल एक्रेडिटेशन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। छत्तीसगढ़ के प्रमुख स्वास्थ्य केंद्रों में शुमार बी. एम. शाह हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर ने चिकित्सा के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हॉस्पिटल को आधिकारिक तौर पर एनएबीएच का फाइनल एक्रेडिटेशन प्रदान कर दिया गया है। यह प्रमाणन इस बात की पुष्टि करता है कि हॉस्पिटल मरीजों की देखभाल, सुरक्षा और इलाज के कड़े अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन कर रहा है। बीएमशाह हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. जय तिवारी ने बताया की हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हमें एनएबीएच से मान्यता प्राप्त हो गई है। यह मान्यता गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा, रोगी सुरक्षा और नैतिक चिकित्सा पद्धतियों के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

साइंस कालेज में जल संरक्षण पखवाड़ा संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शासकीय वीवाईटी पीजी. स्वशासी महाविद्यालय, में जल संरक्षण पखवाड़ा समापन समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना तथा इसके महत्व को रेखांकित करना था।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एके सिंह ने सभी विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहा कि वे केवल इन कार्यक्रमों तक ही सीमित न रहें, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी जल संरक्षण को अपनाएँ। छोटे-छोटे प्रयास, जैसे—अनावश्यक जल का उपयोग न करना, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना, एवं दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना—एक बड़े बदलाव की शुरुआत कर सकते हैं।

कार्यक्रम के अंतर्गत एम.एससी. प्राणीशास्त्र के विद्यार्थियों द्वारा जल संरक्षण विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर जल की बर्बादी, भविष्य में संभावित जल संकट तथा जल बचाने के सरल उपायों को सशक्त ढंग से दर्शाया गया। विद्यार्थियों द्वारा जागरूकता मार्च निकाली गई।

समारोह में विशेष व्याख्यान का आयोजन भी किया गया, जिसमें डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने जल संरक्षण विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने जल संकट की गंभीरता, उसके प्रमुख कारणों तथा संरक्षण के व्यावहारिक उपायों पर प्रकाश डालते हुए सभी को जल के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शीतल, द्वितीय स्थान कुसुम तथा तृतीय स्थान यू. लया ने प्राप्त किया। वहीं स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान साक्षी एवं गोदावरी, द्वितीय स्थान सोनल एवं भुवेश तथा तृतीय स्थान ओजस्वी को प्राप्त हुआ।

वैशाली नगर में जलस्रोतों की सफाई के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्र में पेवर ब्लाक, प्रस्तावित रोड स्थल, तालाब एवं नहर सफाई कार्यो का निरीक्षण किये। उपस्थित अधिकारियों को तालाब एवं नहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर कराने निर्देशित किये है।

निगम आयुक्त द्वारा वैशाली नगर कालेज के सामने लगे पेवर ब्लाक का निरीक्षण किया गया। सौंदर्यीकरण को दृष्टिगत करते हुए पूर्व में पेवर ब्लाक लगाया गया था, पेवर ब्लाक पुराना होने के कारण बीच-बीच से उखड़ गया है, जिसका जल्द ही संधारण कराने निर्देशित किये है। नागरिकों की सुविधा एवं आवागमन को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए बाबादीप सिंह नगर में रोड निर्माण किया जाना है। उक्त प्रस्तावित रोड निर्माण स्थल का अवलोकन आयुक्त द्वारा किया गया है। वार्ड 22 घासीदास नगर में शिव शक्ति तालाब एवं नहर को साफ-सफाई कार्य कराया जा रहा है, जिसका अवलोकन निगम आयुक्त द्वारा किया गया। सफाई कार्य को प्राथमिकता देते हुए और बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित कराने कहा गया है। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, सहायक अभियंता श्वेता वर्मा, सहायक राजस्व अधिकारी प्रशन्न तिवारी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर सहानी, स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह, जोनल सुपरवाइजर एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

रामनवमी व महावीर जयंती पर मांस दुकानें बंद

दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्रालय, महानदी भवन, अटल नगर, जिला रायपुर के परिपत्र क्रमांक/एफ 9-4/2007/18 दिनांक 10/03/2021 के अनुसार समस्त पशु वध गृह एवं मांस बिक्री की दुकानें दिनांक 26.03.2026 (गुरुवार) रामनवमी एवं दिनांक 31.03.2026 (मंगलवार) महावीर जयंती के उपलक्ष्य में बंद रखी जाएंगी। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। यदि किसी भी स्थान पर दुकान खुली पाई जाती है, तो संबंधित सामग्री की जब्ती के साथ जुर्माना की कार्रवाई की जाएगी तथा संचालकों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे।

पेपर कटर से गला काटकर पहुंचा हाइटेक, बची जान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। एक युवक ने आर्थिक तंगियों के चलते खुदकुशी करने की कोशिश की। उसे समय पर हाइटेक हॉस्पिटल पहुंचाया गया जहां डाक्टरों के त्वरित हस्तक्षेप से उसकी जान बचा ली गई। युवक अब पूरी तरह स्वस्थ है और अपने घर लौट गया है। युवक को अत्यंत गंभीर अवस्था में अस्पताल लाया गया था।

हाइटेक के ईएनटी सर्जन डॉ अपूर्व वर्मा ने बताया कि युवक ने पेपर कटर से अपनी कलाई काटने के बाद अपना गला रेतने की कोशिश की थी। कटर नया होने के कारण गला काफी गहरा कट गया था तथा सांस नली में भी छेद हो गया था। जब उसे लाया गया तब कलाई और गर्दन की चोट से काफी खून बह गया था।

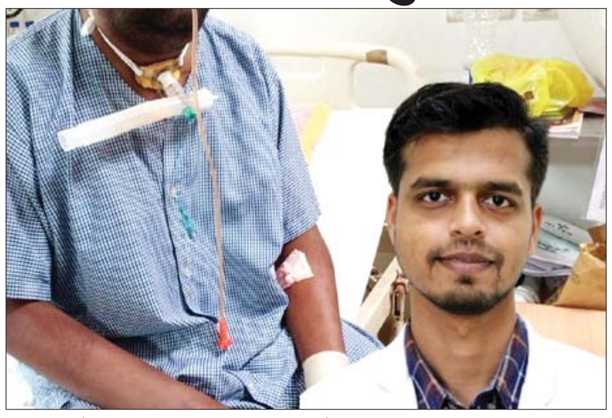

डॉ वर्मा ने बताया कि युवक की किस्मत अच्छी थी कि गर्दन की मुख्य धमनियों को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ था। तत्काल युवक को ओटी में लिया गया तथा उसके गले के जख्म की मरम्मत की गई। जख्म को संक्रमण से बचाने के लिए ट्रैकियोस्टोमी कर श्वांस की व्यवस्था की गई। साथ ही आहार के लिए राइल्स ट्यूब लगा दिया गया। युवक को चार दिन तक वेन्टीलेटर पर रखा गया। इस बीच उसे निमोनिया भी हो गई जिससे वह जल्दी ही रिकवर कर गया। सात दिन आईसीयू में रखने के बाद उसे वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। पर यहां आते ही उसके अल्कोहल विथड्रॉल सिम्पटम्स दिखाई देने लगे। वह अपने ट्यूब खींचने लगा। उसकी हालत भी बिगड़ी पर समय रहते उसे संभाल लिया गया।

घावों को संक्रमण से बचाने के लिए सभी आवश्यक उपाय किये गये। घाव भरने के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। सोमवार को उसके ट्यूब भी हटा दिये गये।

युवक अब पूरी तरह स्वस्थ है। उसकी सांस भी भली प्रकार चल रही है और आवाज में भी कोई दिक्कत नहीं है। फिलहाल उसकी काउंसलिंग की जा रही है।

नील आढ़तिया ने हासिल किया फुल कंटैक्ट कराते में ब्लैक बेल्ट

दुर्ग। प्रतिष्ठित मिठाई व्यवसायी तरुण आढ़तिया और कोमल आड़तिया के पुत्र और राज आढ़तिया के भतीजे नील आढ़तिया ने वर्ष 2025 में फुल कॉन्टैक्ट कराते में ब्लैक बेल्ट प्राप्त कर अपने परिवार व समाज का नाम रोशन किया है। सेक्टर-7 बीएसपी इस्पात क्लब, भिलाई में आयोजित बेल्ट एवं प्रमाणपत्र वितरण समारोह संस्था 'कारा कु जू बो काई कान' के डायरेक्टर सेंसाई गिरी राव के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में सेक्टर-7 युवा सांस्कृतिक मंडल के अध्यक्ष एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष चिन्ना केशवलु उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुल 13 छात्र-छात्राओं को ब्लैक बेल्ट, प्रमाणपत्र एवं आईडी कार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिनमें नील आढ़तिया सहित अन्य प्रतिभागी शामिल रहे। प्रवीण भाई आढ़तिया ने नील की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि परिवार का यह पहला ब्लैक बेल्ट है और भविष्य में उसे आगे बढ़ाने हेतु हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

40 शौचालयों की जिम्मेदारी स्व-सहायता समूहों को सौंपी

अब नहीं होगी पानी की किल्लत, सभी शौचालयों में लगाए जा रहे हैं एल्यूमिनियम के नए दरवाजे

- सामुदायिक शौचालयों का संधारण कार्य जारी, मिलेंगी बेहतर सुविधाएं
- जर्जर शौचालयों में मरम्मत के साथ कुछ स्थानों पर हो रही डिस्मेंटलिंग
- जल आपूर्ति सुधारने निगम के निर्देश, हो रही पंप व बोर की सफाई

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र में नागरिकों को स्वच्छ और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सामुदायिक शौचालयों का संधारण कार्य तेजी से जारी है। निगम द्वारा कुल 40 सामुदायिक शौचालयों को छत्तीसगढ़ शासन की स्वच्छता श्रृंगार योजना के तहत विधिवत प्रक्रिया पूरी कर स्व-सहायता समूहों को संचालन एवं रख-रखाव के लिए सौंपा गया है।

निगम प्रशासन द्वारा पुराने और जर्जर शौचालयों की स्थिति को सुधारने के लिए व्यापक स्तर पर मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। कई शौचालयों में दरवाजों का परिवर्तन, टूटी सीटों की मरम्मत तथा पुराने सीवरेज टैंकों का पुन: संधारण किया जा रहा है। वहीं, जिन शौचालयों की हालत अत्यधिक खराब है और जहां जनहानि की आशंका है, वहां सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डिस्मेंटलिंग की प्रक्रिया भी अपनाई जा रही है। वर्तमान में कई स्थानों पर पुराने दरवाजे हटाकर नए दरवाजे लगाए जा रहे हैं।

जल आपूर्ति की समस्या को गंभीरता से लेते हुए निगम ने सहायक अभियंता (नल-जल) को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत बोर की सफाई एवं खराब पंपों को बदलने का कार्य किया जा रहा है, ताकि शौचालयों में पानी की उपलब्धता सुचारु बनी रहे और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

विभिन्न वार्डों में संधारण कार्य तेजी से प्रगति पर है। वार्ड क्रमांक 53 एवं 54 में नए सेप्टिक टैंक, दरवाजे, लाइट और अन्य आवश्यक फिटिंग कार्य किए जा रहे हैं। इसके अलावा वार्ड 34, 19 एवं 22 में भी संधारण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिसे शीघ्र पूर्ण कर आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। निगम द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी शौचालयों की नियमित साफ-सफाई स्व-सहायता समूहों के माध्यम से लगातार की जाए, जिससे शहर में स्वच्छता का स्तर और बेहतर हो सके।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

सरगुजा ओलंपिक में जशपुर के खिलाड़ियों ने जीते 17 स्वर्ण, 20 रजत और 16 कांस्य

जशपुर। सरगुजा ओलंपिक 2026 में जशपुर जिले के प्रतिभागियों ने विभिन्न विधाओं में पदक प्राप्त कर जशपुर जिले को गौरवांवित किया है। जिले के 443 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया, जिसमें विजेता प्रतिभागियों ने 17 स्वर्ण पदक, 20 रजत पदक व 16-कांस्य पदक प्राप्त किया। इनमें दौड़, रिले रेस, लंबी कूद, गोला फेंक, तवा फेंक, भाला फेंक, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबाल, हॉकी, कराते, कुश्ती, कबड्डी, खो-खो, व्हॉलीबॉल और बास्केटबॉल शामिल हैं।

कुतरिगढ़ मंदिर में 500 ज्योति कलश स्थापित

कोरबा। चैत्र नवरात्र पर्व कटघोरा के कुतरिगढ़ मंदिर में आस्था पूर्वक मनाया जा रहा है। कुतरिगढ़ में तेल और घृत ज्योति कलश की संख्या 500 है जो इस परिसर में श्रद्धालुओं के द्वारा प्रज्वलित कराए गए हैं। आसपास की मानस मंडलियों के द्वारा प्रतिदिन भजन कीर्तन किया जा रहा है। नवरात्र की सप्तमी और अष्टमी को होने वाली भीड़ को लेकर सुरक्षा प्रबंध हो के लिए पुलिस को अवगत कराया गया है।

छत्तीसगढ़ में बारिश पर ब्रेक, अब गर्मी करेगी वापसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इस समय मौसम पूरी तरह शुष्क बना हुआ है और फिलहाल बारिश के कोई आसार नहीं हैं। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के किसी भी हिस्से में वर्षा दर्ज नहीं की गई। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि फिलहाल कोई सक्रिय मौसम प्रणाली नहीं है, जिसके कारण प्रदेश में सूखा मौसम बना रहेगा। अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान 2 से 4 डिग्री तक बढ़ सकता है, इसके बाद मौसम में ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं है।

बलौदाबाजार : आजीविका और नैसर्गिक पर्यटन विकास के अध्ययन के लिए समितियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

श्रीकंचनपथ समाचार

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार वनमण्डल के विभिन्न ग्रामों के पारिस्थितिकी विकास समिति और संयुक्त वन प्रबंधन सदस्यों का आजीविका और नैसर्गिक पर्यटन विकास संबधी शैक्षणिक भ्रमण संपन्न हुआ। 19 मार्च से 21 मार्च 2026 तक आयोजित इस दौरे में वनांचल क्षेत्र के कृषकों, गाइड्स और समिति सदस्यों ने छत्तीसगढ़ सहित पड़ोसी राज्यों के प्रमुख वन्यजीव क्षेत्रों का अध्ययन किया।

कांगेर घाटी टाइगर रिजर्व में प्रतिभागियों ने यहाँ जैविक खेती की आधुनिक तकनीकों और उन्नत कृषि पद्धतियों का बारीकी से अवलोकन किया। इसके साथ ही, कांगेर घाटी टाइगर रिजर्व में नैसर्गिक पर्यटन प्रबंधन और समुदाय आधारित पर्यटन मॉडल को समझा गया। डेब्रीगढ़ वन्यजीव

अभ्यारण्य (ओडिशा) में प्रतिभागियों के दल ने वन्यजीव संरक्षण, संवर्धन और ईको-टूरिज्म के सफल मॉडलों का अध्ययन किया। सदस्यों ने सीखा कि कैसे पर्यटन के माध्यम से स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकते हैं। कान्हा टाइगर रिजर्व (मध्य प्रदेश) में भ्रमण में ग्रामीणों ने विश्व प्रसिद्ध कान्हा टाइगर रिजर्व के पर्यटन प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण की कार्यप्रणाली को देखा। यहाँ उन्होंने संरक्षण और पर्यटन के बीच बेहतर संतुलन बनाने के गुर सीखे। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य स्थानीय ग्रामीणों और गाइडों को अन्य सफल क्षेत्रों के 'बेस्ट प्रैक्टिसेस' से अवगत कराना था। इससे प्राप्त अनुभवों का उपयोग अब बारनवापारा और बलौदाबाजार के अन्य वन क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन, उन्नत कृषि और बेहतर पर्यटन सेवाओं को विकसित करने के लिए किया जाएगा।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2006 से राज्य की खेल पारिस्थितिकी तंत्र होगा मजबूत : उपमुख्यमंत्री

- खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 गेम-चेंजर, खेलों में करियर बनाने का बड़ा मंच : ओलंपियन
- करीब 3,800 प्रतिभागी लेंगे हिस्सा; छत्तीसगढ़ सहित चार राज्यों के 100 से अधिक खिलाड़ी
- रायपुर, जगदलपुर और सरगुजा में होगा आयोजन, 106 स्वर्ण पदक दांव पर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बुधवार 25 मार्च से शुरू हो रहे पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी के लिए छत्तीसगढ़ पूरी तरह तैयार है और राज्य के उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव का मानना है कि यह राज्य के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को बड़ा बढ़ावा देगा। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री साव ने मंगलवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स भारतीय खेल इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा।

श्री साव ने बताया कि, हमने पहले सरगुजा ओलंपिक और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन छोटे स्तर पर किए हैं। अब खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी कर हम एक बड़े मंच पर कदम रख रहे हैं, जो हमारी क्षमताओं की परीक्षा भी लेगा और उन्हें नई ऊंचाई देगा। उन्होंने कहा, यह छत्तीसगढ़ के लिए निस्संदेह एक ऐतिहासिक और यादगार आयोजन है। यह हमारी खेल प्रतिभा और बुनियादी ढांचे को बड़ी मजबूती देगा। साथ ही, यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के आयोजन का प्रत्यक्ष अनुभव भी प्रदान करेगा।

श्री साव ने बताया कि, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाले खिलाड़ियों के साथ खेलने और उन्हें देखने का अनुभव छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के लिए बेहद समृद्ध करने वाला होगा। यह आयोजन राज्य के खेल तंत्र और खिलाड़ियों दोनों के लिए बड़ी ताकत साबित होगा।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हिस्सा लेंगे और कुल नौ खेलों का आयोजन होगा। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती में पदक दिए जाएंगे, जबकि मल्लखंब और कबड्डी प्रदर्शन खेल के रूप में शामिल होंगे।

करीब 3,800 प्रतिभागी इन खेलों में हिस्सा लेंगे, जो 3 अप्रैल तक चलेंगे। प्रतियोगिताएं रायपुर, जगदलपुर और सरगुजा में आयोजित की जाएंगी। कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर होंगे। एथलेटिक्स में सर्वाधिक 34 स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। तैराकी (24), कुश्ती (18), वेटलिफ्टिंग (16) और तीरंदाजी (10) में भी दो अंकों में स्वर्ण पदक होंगे। हॉकी और फुटबॉल टीम खेल हैं, जिनका आयोजन रायपुर में होगा। एथलेटिक्स जगदलपुर में और कुश्ती सरगुजा में आयोजित की जाएगी। मेजबान राज्य छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड और असम से 100 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। पुरुष और महिला खिलाड़ियों का अनुपात लगभग 50-50 रहेगा, जो ओलंपिक चार्टर में लैंगिक समानता के सिद्धांत के अनुरूप है। भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय खेल महासंघों द्वारा आयोजित ट्रायल्स के माध्यम से किया गया है।

आयोजन को लेकर बेहद उत्साहित हैं ओलंपियन तिर्की

भारत के शीर्ष खिलाड़ी, हॉकी ओलंपियन दिलीप तिर्की, सलीमा टेटे और शीर्ष धावक अनिमेष कुजूर ने कहा, खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स खेलों में करियर बनाने और आदिवासी समुदाय से निकले दिग्गज खिलाड़ियों से प्रेरणा लेने का एक शानदार मंच है। श्री तिर्की ने कहा, मेरे लिए और हम सभी के लिए यह गर्व की बात है कि देश में पहली बार इस तरह की चौंपियनशिप शुरू हो रही है। यह युवाओं और आदिवासी खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने और खेलों में आगे बढ़ने, तथा देश के लिए खेलने का एक बेहतरीन अवसर है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का विज़न है कि भारत एक खेल राष्ट्र बने। वे चाहते हैं कि हर युवा किसी न किसी खेल से जुड़ा रहे। वे स्वयं एक आदिवासी परिवार से आते हैं और खेलों से यहां तक पहुंचे हैं।उन्हें विश्वास है कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी आदिवासी बच्चों का भविष्य उज्ज्वल है। पहले भी कई आदिवासी खिलाड़ियों ने देश का प्रतिनिधित्व किया है और वे हमारे समाज के प्रेरणास्रोत बने हैं।

राष्ट्रीय 100 मीटर और 200 मीटर रिकॉर्ड धावक और भारत के उभरते एथलेटिक्स स्टार अनिमेष कुजूर ने कहा, भारत में अभी भी कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां खेल पूरी तरह नहीं पहुंचे हैं। ऐसे में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन और भी खास बन जाता है। मैं सरकार के इस प्रयास की सराहना करता हूं, जिसने देशभर के आदिवासी युवाओं को एक मंच पर लाने का काम किया है।

हर बच्चा अपना है, यही सोच बदलेगी भविष्य की दिशा : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और संवेदनशील मुद्दों पर राज्यस्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए कहा कि बच्चों को ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सही दिशा और संवेदनशील वातावरण देना आवश्यक है। जब तक हम दूसरों के बच्चों को अपने बच्चों की तरह नहीं देखेंगे, तब तक समग्र विकास संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के समन्वय से बाल संरक्षण व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा।

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्षा डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा कि बच्चे राष्ट्र की नींव हैं और उनकी सुरक्षा केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि संवेदनशीलता का विषय है। उन्होंने कहा कि केवल चिंतन नहीं, बल्कि ठोस मंथन और कार्ययोजना की जरूरत है। अपने जिलों के दौरे का उल्लेख करते हुए उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं और बाल गृहों में पारिवारिक वातावरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की प्रतिनिधि सुश्री शाइस्ता शाह ने स्कूल सुरक्षा और पॉक्सो ट्रैकिंग पोर्टल की जानकारी दी, वहीं रायपुर कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने लॉ एंड ऑर्डर विभाग की संवेदनशील भूमिका और बाल तस्करी रोकथाम पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। किशोर न्याय अधिनियम 2015, मादक द्रव्यों के उन्मूलन, नशामुक्ति केंद्रों की स्थापना और आफ्टर केयर व्यवस्था को मजबूत करने पर भी चर्चा की गई। कार्यशाला में सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, SJPU, पुलिस एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों के अधिकारों की प्रभावी सुरक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समन्वित कार्ययोजना तैयार करना रहा।

शुगर, बीपी, सर्वाइकल, माइग्रेन, मोटापे की रोकथाम में बेहद कारगर है आयुर्वेदिक उपचार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बदलते दौर में लोग मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सर्वाइकल पेन, स्पोंडिलाइटिस, माइग्रेन, एलर्जी, मोटापा, एनीमिया, बाल झड़ना, तनाव और पाचन संबंधी समस्याओं जैसी अनेक बीमारियों से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में आयुर्वेद एक बार फिर भरोसे का मजबूत आधार बनकर उभर रहा है। छत्तीसगढ़ शासन के आयुष विभाग द्वारा रायगढ़ जिले के आयुष अस्पतालों में जटिल से जटिल रोगों का नि:शुल्क और प्रभावी उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे कई मरीजों का जीवन फिर से सामान्य और खुशहाल हो रहा है।

इस सफलता के पीछे आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी लोईग में पदस्थ डॉ. माकेश्वरी संभाकर जोशी प्रभारी आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, आयुष केंद्र लोईग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। औषधियों के साथ-साथ आहार-विहार और दिनचर्या पर विशेष ध्यान दिया गया। ऐसे ही छह मरीजों की कहानियां आज उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आई हैं।

इस संबंध में प्रभारी आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी लोईग के डॉ. माकेश्वरी संभाकर जोशी ने कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार नहीं, बल्कि जीवनशैली को संतुलित करने की एक संपूर्ण पद्धति है। मरीज अगर आहार-विहार और चिकित्सकीय परामर्श का पालन करें, तो जटिल से जटिल रोगों में भी सकारात्मक परिणाम मिलते हैं। आयुष विभाग द्वारा नि:शुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध है।

ग्राम लोईग की 78 वर्षीय लुवा सारथी पिछले दो वर्षों से मधुमेह और उच्च रक्तचाप से परेशान थीं। आयुर्वेदिक उपचार और नियमित दिनचर्या के पालन से जहां उनका शुगर स्तर 390 से घटकर 170-180 तक पहुंच गया, वहीं बीपी भी 170-180 से घटकर 130/70 तक नियंत्रित हो गया। दो महीने पहले उसने एलोपैथी दवाओं का उपयोग भी बंद कर दिया है।

इसी तरह गौवर्धनपुर के 38 वर्षीय गनपत उरांव सर्वाइकल पेन, स्पोंडिलाइटिस और मधुमेह से पीड़ित थे। उन्हें सर्जरी की सलाह दी गई थी। लेकिन आयुर्वेदिक उपचार, पंचकर्म और संतुलित दिनचर्या अपनाने से उन्हें 70 प्रतिशत तक सुधार हुआ।

ग्राम रेगड़ा के 30 वर्षीय यासिम हुसैन का वजन काफी कम था। आयुर्वेदिक औषधियों और सही आहार-विहार से मात्र दो माह में उनका वजन 49 किलो से बढ़कर 60 किलो हो गया।

रायगढ़ के बंटी मेहर, जो सिरदर्द और कमजोरी से परेशान थे, ने भी आयुर्वेदिक उपचार से दो महीने में 8 किलो वजन बढ़ाया और स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार पाया।

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग ने वन क्लिक सिंगल विंडो सिंगल-पोर्टल किया लॉंच

रायपुर। वन क्लिक सिंगल विंडो (OneClick) एक डिजिटल पोर्टल है, जो निवेशकों को छत्तीसगढ़ में व्यवसाय स्थापित करने के लिए आवश्यक सभी अनुमतियां, मंजूरी, भूमि आवंटन और ऑनलाइन भुगतान की सुविधा एक ही जगह प्रदान करता है। यह प्रणाली 16 विभागों की 136 से अधिक सेवाओं को जोड़ती है, जिससे समय की बचत होती है, पारदर्शिता बढ़ती है और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (Ease of Doing Business) को बढ़ावा मिलता है। इसका उद्देश्य विभाग के साथ काम करने वाले सभी लोगों के लिए प्रक्रिया को आसान बनाना। अनुमोदन के लिए वन क्लिक सिंगल विंडो से लेकर सब्सिडी कैलकुलेटर के साथ प्रोत्साहन का अनुमान लगाने तक, प्रक्रिया अब अधिक पारदर्शी और कुशल है। वनक्लिक पोर्टल के मूल कार्य को स्पष्ट रूप से दर्शाता है एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सुगमता और दक्षता प्रदान करना। टैगलाइन - सीजी इसे आसान बनाता है - शासन को एक सहज अनुभव में बदलने के लिए छत्तीसगढ़ की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जहां उद्यमी कागजी कार्रवाई में कम समय और महत्वपूर्ण कार्यों के निर्माण में अधिक समय व्यतीत करते हैं।

पीएम श्री के मेधावी बच्चों ने किया दिल्ली-आगरा का भ्रमण

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पीएम श्री स्कूलों के मेधावी छात्रों को राज्य से बाहर शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली एवं आगरा के विभिन्न पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के बाद छात्रों ने कलेक्टर संजय अग्रवाल से भेंट कर अपने अनुभव साझा किए। श्री अग्रवाल ने छात्रों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। छात्रों ने इस अनुभव को यादगार बताया और प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री का आभार जताया।

बिलासपुर जिले से चयनित छात्रों में पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या सरकंडा की छात्रा दिव्या साहू, चकरभाठा से हर्षवर्धन साहू, डीकेपी कोटा से दियांशु टंडन, तखतपुर पीएमश्री स्कूल से विनायक दुबे और मस्तूरी स्कूल से दिव्यांशी शामिल रहे। 17 मार्च से 22 मार्च तक की 5 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम में 5 शिक्षकों ने भी सहभागिता की। विद्यार्थियों को विश्व के सात अजूबों में से एक ताजमहल स का भ्रमण कराया गया, जहां गाइड द्वारा इसके निर्माण इतिहास और संरक्षण की जानकारी दी गई। इसके साथ ही धार्मिक नगरी वृंदावन के विभिन्न मंदिरों के दर्शन कराए गए। नई दिल्ली में छात्रों ने राज घाट, लाल किला, प्रधानमंत्री संग्रहालय, राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, इंडिया गेट और राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का भ्रमण कर इन केंद्रों की ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त की। छात्रों को राष्ट्रपति भवन के आंतरिक भागों- अशोका हॉल, दरबार हॉल, बैंक्वेट हॉल, म्यूजियम, जनजातीय संग्रहालय एवं अमृत उद्यान का भी अवलोकन कराया गया। अंतिम दिन मेट्रो ट्रेन की सवारी कराकर आधुनिक भारत की झलक दिखाई गई।

भ्रमण के बाद छात्रों ने कलेक्टर संजय अग्रवाल से मिलकर अपने अनुभव साझा किए। कलेक्टर ने छात्रों की पारिवारिक पृष्ठभूमि की जानकारी ली और उनका उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें मेहनत और लगन से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि अपने जीवन में भटकाव न आने दें और लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़े।

नवाचार : नीचे तालाब, ऊपर पोल्ट्री फार्मिंग

भूखण्ड का बेहतर उपयोग कर डबल कर ली कमाई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खेत को आय का बहुआयामी और मजबूत माध्यम बनाने के लिए पारंपरिक खेती के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों, संबद्ध व्यवसायों और विविधीकरण को अपनाना अनिवार्य है। मुर्गी पालन और मछली पालन को एक साथ अपनाना, जिसे एकीकृत मछली-सह-मुर्गी पालन कहा जाता है, ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की आय में भारी बढ़ोतरी और आत्मनिर्भरता का एक बेहतरीन जरिया है।

यह प्रणाली कम लागत में दोहरा मुनाफा प्रदान करती है। छत्तीसगढ के जशपुर जिले के ग्राम रतबा के युवा किसान अंकित लकड़ा अपनी मेहनत और नवाचार से खेती को नई पहचान दे रहे हैं। पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर उन्होंने अपने खेत को बहुआयामी आय का मजबूत माध्यम बना दिया है। आइए जानते हैं उनकी प्रेरणादायक कहानी।

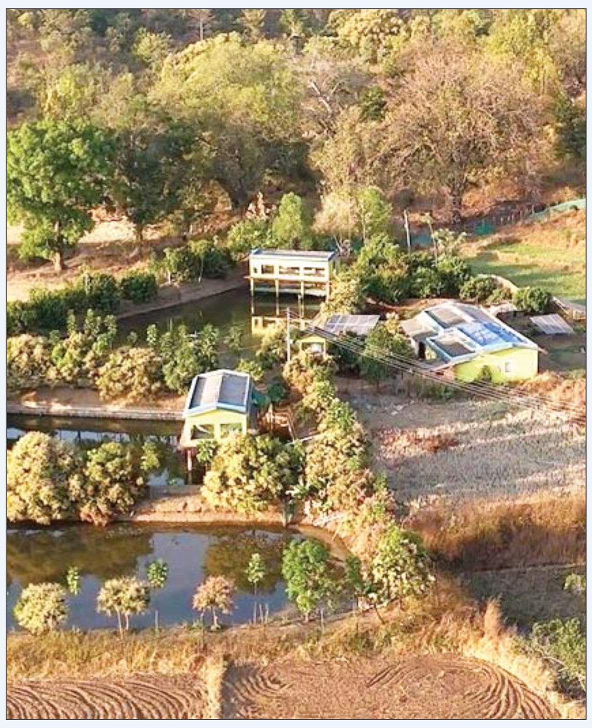

ग्राम रतबा के युवा किसान अंकित ने बताया कि पहले वे बरसात में सिर्फ धान की खेती करते थे। इसे पश्चात् उन्होंने मत्स्य विभाग से जानकारी प्राप्त कर अपने खेत में तालाब बनाए। अब वे गर्मी में भी खेती करने लगे और आम के पेड़ लागाए उसी तालाब के पानी से गर्मी में पेड़ों को पानी देते हैं। तालाब के पानी का उपयोग करके बागवानी भी कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि 2 तालाब के उपर शेड बनाकर मुर्गी पालन और मछली पालन करते हैं। मुर्गियों का अपशष्टि मछलियों के लिए आहार का कार्य करता है। शेड का कैपेसिटी 1000 से 1200 है। तालाब के मेड में आम का पेड़ लगाए हैं। आम का पेड़ या अन्य पेड़ मिट्टी को एकजुट रखता है मिट्टी को काटने नहीं देता। इसके साथ ही आम का पेड़, लीची का पेड़ अतिरिक्त आय का माध्यम बन जाता है। युवा किसान ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य योजना अंतर्गत पॉन्ड लाइनर प्राप्त हुआ है। मछली विभाग से 8 लाख रूपए की राशि अनुदान में मिला इसके साथ पॉलीथिन, बोर, मोटर और फीड प्राप्त हुआ है।

इस मॉडल को अपनाने वाले किसानों का कहना है कि यह न सिर्फ आमदनी बढ़ाता है, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल भी है। मछली पालन करने वाले नंदकिशोर पटेल बताते हैं कि पहले वे केवल तालाब में मछली पालन करते थे, लेकिन अब उन्होंने इस मॉडल से मुर्गी पालन भी शुरू किया है। उनका कहना है कि शुरुआत में थोड़ा इनवेस्टमेंट जरूर लगता है, लेकिन जब सिस्टम चलने लगता है, तो मेहनत का फल बहुत अच्छा मिलता है। एक बार इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो जाए, फिर हर महीने स्थिर इनकम होने लगती है।

अंकित लकड़ा की यह पहला बताती है की नई सोच और योजनाओं के सही उपयोग से खेती को और अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है ऐसे ही नवाचार और सफ्ल किसानों से मिलने के लिए कृषि क्रांति एक्सप्रेस 2.0 में जरूर आए।

यह है तकनीक

मुर्गियों का अपशष्टि मछलियों के लिए आहार का कार्य करता है। शेड का कैपेसिटी 1000 से 1200 है। तालाब के मेड में आम का पेड़ लगाए हैं। आम का पेड़ या अन्य पेड़ मिट्टी को एकजुट रखता है मिट्टी को काटने नहीं देता। इसके साथ ही आम का पेड़, लीची का पेड़ अतिरिक्त आय का माध्यम बन जाता है। युवा किसान ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य योजना अंतर्गत पॉन्ड लाइनर प्राप्त हुआ है। मछली विभाग से 8 लाख रूपए की राशि अनुदान में मिला इसके साथ पॉलीथिन, बोर, मोटर और फीड प्राप्त हुआ है।

एक्शन-कॉमेडी फिल्में करना चाहती हैं शालिनी पांडे, इन एक्टर्स को बताया अपना फेवरेट....

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने अपने करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्मों और सीरीज में काम किया है। अब अभिनेत्री की इच्छा एक्शन फिल्म में काम करने की है। 'धुरंधर' को अपनी मौजूदा पसंदीदा फिल्म बताते हुए शालिनी ने इन दो कलाकारों को अपना फेवरेट बताया और काम करने की इच्छा जताई। एक्ट्रेस ने अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर भी बात की।

एक्शन फिल्म में काम करने की जताई इच्छा

इंडिया टुडे से बातचीत में शालिनी पांडे ने कहा कि मैं इतनी महत्वाकांक्षी हूं कि मुझे लगता है कि मैं बहुत कुछ करना चाहती हूं। मैंने जीवन भर खेल खेले हैं और मुझे खेल बहुत पसंद हैं, इसलिए मुझे लगता है कि मैं एक एक्शन फिल्म में काम करना चाहूंगी। मुझे एक्शन पसंद है। मुझे इसका रोमांच बहुत अच्छा लगता है। इसलिए एक्शन ही वह चीज है जो मैं करना चाहती हूं।

कंफर्ट जोन से बाहर आकर काम करना चाहती हैं शालिनी

अभिनेत्री ने आगे कॉमेडी जॉनर को लेकर कहा कि कॉमेडी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसे मैं पूरी तरह से एक्सप्लोर करना चाहती हूं क्योंकि एक दर्शक के रूप में मुझे ये चीजें पसंद आती हैं। मुझे लगता है कि एक्शन और कॉमेडी दोनों ही तरह के रोल मुझे पसंद हैं।

मैं ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हूं जो एक एक्टर के रूप में मुझे प्रेरित करें, जो मुझे मेरे कंफर्ट जोन से बाहर निकलने के लिए प्रेरित करें। ऐसा नहीं है कि मैं जहां भी हूं वहां बहुत सहज होने की कोशिश नहीं करती, लेकिन एक एक्टर के रूप में मैं खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं। मैं ऐसी जगह नहीं रहना चाहती, जहां मेरा विकास बिल्कुल न हो रहा हो।

ऋतिक और रणवीर को बताया अपना फेवरेट एक्टर

किस तरह के कलाकार के साथ काम करने के सवाल पर शालिनी ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने का मौका मिले जो मेरा पूरक हो और मैं उस व्यक्ति का पूरक बन सकू। वहीं एक्टर को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे सबसे पहले रणवीर सिंह एक अभिनेता के रूप में बहुत पसंद हैं। मैंने 'धुरंधर' देखी है, जो मेरी हाल की पसंदीदा फिल्मों में से एक है, इसलिए मुझे लगता है कि वह हर तरह की भूमिका में अच्छे हो सकते हैं। इसके अलावा ऋतिक रोशन भी इस लिस्ट में हैं, क्योंकि मैंने उन्हें बचपन से ये सब करते देखा है। मुझे लगता है कि सबसे पहले इन्हीं दो लोगों का नाम आता है।

आखिरी बार इस सीरीज में नजर आई थीं शालिनी

वर्कफ्रंट की बात करें तो तेलुगु फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली शालिनी ने बॉलीवुड में डेब्यू रणवीर सिंह के ही साथ किया। 2022 में रणवीर के साथ फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' से उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा है। वो आखिरी बार इसी साल आई फिल्म 'राहु केतु' और सीरीज 'बैंडवाले' में नजर आई हैं।

चित्रालय क्रिएशन्स की ओर से तीसरी प्रोडक्शन फिल्म की घोषणा, हेबाह पटेल इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी

अर्जुन आर्ट्स के बैनर तले, चित्रालय क्रिएशन्स बैनर के अंतर्गत प्रोडक्शन नंबर 3 का निर्माण हो रहा है, जिसकी निर्माता श्रीलक्ष्मी एम हैं। फिल्म का निर्देशन सलीम मलिक करेंगे, जिन्हें मैक के नाम से जाना जाता है, जिन्होंने इससे पहले दर्जा का निर्देशन किया था। अभिनेत्री हेबाह पटेल इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी। निर्माताओं ने हाल ही में इस परियोजना की आधिकारिक घोषणा की है।

कहा जा रहा है कि यह फिल्म इमोशन-कॉमेडी एंटरटेनमेंट शैली में एक अलग अवधारणा पर आधारित होगी और इसका निर्माण बड़े पैमाने पर किया जाएगा। टीम ने कलाकारों और तकनीकी दल के बारे में भी जानकारी दी है।

दर्जा से दर्शकों को प्रभावित करने वाले निर्देशक सलीम मलिक इस प्रोजेक्ट की कहानी, पटकथा और निर्देशन संभालेंगे। अनूठे विषयों को प्रस्तुत करने और दर्शकों को एक नया सिनेमाई अनुभव देने के लिए जाने जाने वाले सलीम मलिक अब एक और नई अवधारणा के साथ आ रहे हैं। फिल्म के संवाद और गीत भाष्यश्री ने लिखे हैं, जबकि केवीआर ने अतिरिक्त पटकथा लिखी है। एम. समीर ने संगीत दिया है और विष्णु पणिक्कर छायांकन कर रहे हैं। अभिनेत्री हेबाह पटेल नायिका के रूप में नजर आएंगी। फिल्म निर्माता जल्द ही बाकी जानकारी की घोषणा करेंगे।

साड़ी का पल्लू लहराती दिखीं वामिका, फिदा हुए अक्षय.....

रिलीज हुआ 'भूत बंगला का पहला रोमांटिक सॉन्ग

फिल्म 'भूत बंगला' का रोमांटिक सॉन्ग 'तू ही दिसदा' रिलीज हो चुका है। देखें कैसी लग रही है अक्षय और वामिका गब्बी की जोड़ी। अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' में उनके साथ वामिका गब्बी भी अभिनय कर रही हैं। इस हॉरर कॉमेडी फिल्म का एक रोमांटिक सॉन्ग 'तू ही दिसदा' रिलीज हो चुका है। फिल्म में वामिका और अक्षय कुमार साथ में काफी अच्छे लग रहे हैं।

नैचुरल फील दे रहा गाना

अक्षय कुमार और वामिका गब्बी का अंदाज दर्शको को काफी लुभा रहा है। साथ ही इसमें जो झरनों, हरी-भरी हरियाली और पहाड़ दिखाए गए है वो गाने को एक रोमांटिक वाइब दे रहे हैं। क्योंकि गाने को गर्मियों में रिलीज किया गया है। इसमें दिखने वाले बैकग्राउंड सीन्स दर्शकों को एक ठंड़क का एहसास करा रहे हैं।

अक्षय ने शेयर की पोस्ट

इस गाने के रिलीज होने की जानकारी अक्षय कुमार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए फैंस के दी। एक्टर ने गाना शेयर करते हुए लिखा 'भूत सच में होते हैं या नहीं ,यह तो नहीं पता मगर प्यार सच में होता है।'

अरिजीत सिंह ने दी है अपनी आवाज

फिल्म 'भूत बंगला' के गाने 'तू ही दिसदा' को अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज से सजाया है। उनका साथ निकिता गांधी ने दिया है। गाने को म्यूजिक प्रीतम ने दिया है। वहीं इस गाने के बोल कुमार ने लिखे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस गाने के लिए खुद अरिजीत ने पहल की थी। वो अक्षय कुमार और वामिका गब्बी के इसे गाना चाहते थे।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी के अलावा परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव भी हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में असरानी की भी झलक मिलेगी। पिछले साल इस दिग्गज अभिनेता ने दुनिया को अलविदा कह दिया था।

जारी हुआ 'हैरी पॉटर' का पहला पोस्टर इस दिन आएगा टीवी सीरीज का ट्रेलर

टीवी सीरीज 'हैरी पॉटर' जेके रोलिंग के उपन्यासों पर आधारित होगी। कई साल पहले इसका एलान हुआ था। जल्द ही इसकी पहली झलक देखने को मिल सकती है। दुनियाभर के साथ भारत के फैंस को भी 'हैरी पॉटर' टीवी सीरीज का बेसब्री से इंतजार है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्टर साझा करके जानकारी दी है कि इसकी पहली झलक कल मिलेगी।

हैरी पॉटर का पहला पोस्टर

मेकर्स ने 'हैरी पॉटर' टीवी सीरीज की पहली तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इस तस्वीर में युवा हैरी को पीछे से दिखाया गया है। वह हैरी पॉटर के कॉस्ट्यूम में हैं। वह बर्फीली जमीन पर चल रहे हैं। उन्होंने एक लंबा चोगा पहना हुआ है। इस पोस्ट में बताया गया है कि इस सीरीज का पहला टीजर ट्रेलर बुधवार को रिलीज किया जाएगा।

किताबों पर आधारित है सीरीज

'हैरी पॉटर' टीवी सीरीज में, जेके रोलिंग के सात उपन्यासों को नए सिरे से पेश किया जाएगा। इन उपन्यासों की दुनिया भर में 600 मिलियन से ज्यादा प्रतियां बिक चुकी हैं। इन पर बनी आठ फिल्मों ने अच्छी खासी कमाई की है। टीवी सीरीज के हर सीजन में इन सात किताबों में से एक को शामिल किया जाएगा। अनुभवी निर्देशक मार्क माइलॉड इस सीरीज के कई एपिसोड का निर्देशन करेंगे।

सीरीज के किरदार

जॉन लिथगो इस सीरीज में हेडमास्टर एल्बस डंबलडोर का किरदार निभाएंगे। अरेबेला स्टैंटन, हर्माइनी ग्रेंजर की भूमिका में नजर आएंगी। एलास्टेयर स्टाउट को रॉन वीजली के किरदार के लिए चुना गया है। जेनेट मैकटीयर प्रोफेसर मिनर्वा मैकगोनगल के रूप में और निक फ्रॉस्ट हैग्रिड के रूप में नजर आने वाले हैं।

पहले बनी थी फिल्में

ख्याल रहे कि जे.के. रोलिंग की नॉवेल पर बनी हॉलीवुड सीरीज 'हैरी पॉटर' को दुनियाभर में पसंद किया गया था। इसका पहला पार्ट साल 2001 में रिलीज हुआ था। इसमें डेनियल रेडक्लिफ और एमा वॉटसन ने अहम किरदार निभाया था। इसके बाद इसकी आठ किस्तें आईं। अब मेकर्स इस पर टीवी सीरीज बना रहे हैं।

बालों को कितनी बार धोना होता है सही? जानिए इससे जुड़े मिथकों की सच्चाई

बालों को धोने की सही संख्या पर कई भ्रम और गलतफहमियां प्रचलित हैं। कुछ लोग मानते हैं कि रोजाना बाल धोना जरूरी है, जबकि कुछ लोग इसे नुकसानदायक मानते हैं। इस लेख में हम इन भ्रमों की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि वास्तव में कितनी बार बाल धोने चाहिए, ताकि वे स्वस्थ और सुंदर बने रहें। सही तरीके से बालों की देखभाल करने से आप अपने बालों को मजबूत और चमकदार बना सकते हैं।

भ्रमः रोजाना बाल धोना है जरूरी

कई लोग मानते हैं कि रोजाना बाल धोना जरूरी होता है, ताकि वे साफ-सुथरे रहें और उनमें गंदगी न लगे। हालांकि, यह पूरी तरह सही नहीं है। रोजाना बाल धोने से सिर का प्राकृतिक तेल उत्पादन प्रभावित हो सकता है, जिससे बाल सूखे और कमजोर हो सकते हैं। हफ्ते में 2 बार बाल धोना ही पर्याप्त होता है, ताकि वे स्वस्थ रहें और उनकी चमक बनी रहे। ज्यादा धोने से बाल झड़ने की समस्या भी खड़ी हो जाती है।

भ्रमः बाल धोने के बाद नहीं करना चाहिए कंडीशनर का उपयोग

कुछ लोगों का मानना है कि बाल धोने के बाद कंडीशनर का उपयोग नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे बाल चिकने हो जाएंगे और गंदगी जल्दी चिपकेगी। सच यह है कि सही प्रकार का कंडीशनर बालों को पोषण देता है और उन्हें मुलायम बनाता है। इसे सही तरीके से इस्तेमाल करने पर बाल चिकने नहीं होते, बल्कि स्वस्थ और चमकदार दिखते हैं। इसलिए बाल धोने के बाद कंडीशनर का उपयोग करना फायदेमंद होता है।

भ्रमः बालों की लंबाई के अनुसार उन्हें धोने चाहिए

एक आम भ्रम यह है कि बालों की लंबाई पर निर्भर करता है कि कितनी बार उन्हें धोना चाहिए। लंबे बालों वाले लोग अक्सर डरते हैं कि अगर वे ज्यादा धोएंगे तो बाल ज्यादा टूटेंगे। हालांकि, यह पूरी तरह सच नहीं है। सही शैंपू और तरीके का उपयोग करने पर लंबे बाल भी धोएं तो वे स्वस्थ रहते हैं। छोटे बालों वाले लोगों को भी अपनी जरूरत के अनुसार ही बाल धोने चाहिए, ताकि वे साफ-सुथरे रहें।

भ्रमः बालों की प्रकार पर निर्भर करता है उन्हें कितनी बार धोना चाहिए

कुछ लोग मानते हैं कि बालों की प्रकार पर निर्भर करता है कितनी बार उन्हें धोना चाहिए। अगर आपके बाल तैलीय प्रकार के हैं तो आपको रोजाना उन्हें धोना पड़ सकता है, ताकि अतिरिक्त तेल हट सके। वहीं अगर आपके बाल सूखे या बेजान हैं तो हफ्ते में एक या 2 बार ही धोना बेहतर होता है, ताकि उनकी प्राकृतिक नमी बनी रहे। हालांकि, रोजाना बाल धोने से वे बहुत कमजोर हो जाते हैं।

भ्रमः बाल धोने से पहले तेल लगाना होता है जरूरी

कई लोग मानते हैं कि बाल धोने से पहले तेल लगाना जरूरी होता है, ताकि वे मजबूत बने रहें और टूटें नहीं। हालांकि, अगर आप नियमित रूप से बाल धोते हैं तो ऐसा करना जरूरी नहीं होता। हफ्ते में एक बार ही तेल लगाना काफी होता है, ताकि आपके बाल स्वस्थ रहें और उनमें चमक बनी रहे। सही तरीके से बालों की देखभाल करने से आप अपने बालों को मजबूत और सुंदर बना सकते हैं।

खास खबर

छत्तीसगढ़ में राजस्व पखवाड़ा शुरू होगा

रायपुर । छत्तीसगढ़ में जमीन-जायदाद से जुड़े लंबित मामलों के त्वरित समाधान के लिए राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। विभाग अगले महीने से राज्यभर में 'राजस्व पखवाड़ा' आयोजित करेगा, जिसके तहत गांव-गांव में विशेष शिविर लगाकर मामलों का मौके पर ही निपटारा किया जाएगा। विभाग की सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने इस संबंध में सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किए हैं। अप्रैल से जून तक प्रत्येक महीने 15-15 दिनों के लिए यह अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन जैसे लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से सुलझाया जाएगा। प्रदेश में फिलहाल 1.15 लाख से अधिक राजस्व मामले लंबित हैं, जिनमें सबसे अधिक संख्या अविवादित नामांतरण और सीमांकन से जुड़े मामलों की है। ऐसे में सरकार ने इन्हें मिशन मोड में निपटाने की रणनीति बनाई है।

जुलाई 2026 में होगी तारमिस्त्री परीक्षा, 30 अप्रैल तक आवेदन आमंत्रित

धमतरी। संभागीय अनुज्ञापन समिति (विद्युत) जगदलपुर द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी तारमिस्त्री परीक्षा का आयोजन जुलाई 2026 में किया जाएगा। इस परीक्षा के लिए बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों-बस्तर, कोण्डागाँव, कांकेर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर, धमतरी एवं महासमुंद के इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक परीक्षा से संबंधित आवेदन पत्र निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें कार्यालय, कार्यपालन अभियंता (विद्युत सुरक्षा) एवं संभागीय विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ शासन, संभाग-जगदलपुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड क्रमांक-19, आजाद चौक, जगदलपुर (जिला-बस्तर) में कार्यालयीन समय में उपस्थित होना होगा। वहीं से आवेदन पत्र जमा भी किए जा सकते हैं। परीक्षा हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

डिजिटल सेवा केंद्र से बदली जिंदगी रानी कुर्रे बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

कोरिया । ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरीं रानी कुर्रे ने अपने प्रयासों और डिजिटल तकनीक के उपयोग से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। शिखा महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य रानी, ग्राम रनई की निवासी हैं और ज्योति क्लस्टर, पटना से जुड़ी हुई हैं। आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जीवनयापन कर रही रानी ने बिहान योजना के तहत अपने समूह से 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त कर वर्ष 2024-25 में कस्टमर सर्विस सेंटर। इस केंद्र के माध्यम से वे आधार, पैन कार्ड, बिल भुगतान और विभिन्न सरकारी सेवाएं ग्रामीणों तक पहुंचा रही हैं। शुरुआत में डिजिटल सेवाओं के प्रति लोगों को जागरूक करना और उनका विश्वास जीतना आसान नहीं था।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने महिला समूहों को 11.43 करोड़ रुपए की राशि की अंतरित

सरस मेला से महिला समूह के उद्यमिता को मिलेगी व्यापक पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत सरदार पटेल मैदान कवर्धा में आयोजित चार दिवसीय संभागीय सरस मेला का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने महिला समूहों को विभिन्न योजनाओं के तहत 11.43 रूपये की सहायता राशि के चेक वितरण किए, जो महिला समूहों के आजीविका संवर्धन में सहायक सिद्ध होंगे। इस दौरान पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद कवर्धा चन्द्रप्रकाश चन्द्रवंशी, कलेक्टर गोपाल वर्मा, जिला पंचायत सीईओं अभिषेक अग्रवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चन्द्रवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सभी स्टालों का निरीक्षण कर महिला समूह के सदस्यों से उनके व्यवसाय की जानकारी ली। स्टाल में दीदियों से चर्चा करते हुए व्यवसाय के लिए कच्चे माल उसके उत्पादन और विक्रय की जानकारी ली। लखपति दीदियों से बात करते हुए उन्होंने कहा की ग्रामीण महिलाएं अपने परिवार का मजबूत आधार स्तंभ बनकर उभरी है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में सहयोग प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि संभागीय सरस मेला के आयोजन से दुर्ग संभाग के सभी सात जिलो के महिला स्व सहायता की दीदीयां लाभान्वित हो रही हैं। समूह द्वारा बनाये गए दैनिक उपयोग के आकर्षक सामाग्री, जैविक खादय पदार्थ एवं अन्य उपयोगी वस्तुओं को विक्रय के लिए उचित मंच मिल रहा है। स्थानीय स्तर पर वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने के लिए यह आयोजन राज्य शासन द्वारा निर्धारित किया गया है। इस आयोजन से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक लाभ होगा जिससे वे आत्मनिर्भर होने की दिशा मे आगे बढ़ेगी। हमारा प्रयास है कि ग्रामीण भारत को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए महिलाओं की पूरी भागीदारी हो और वे अपने लघु व्यवसाय से उद्यमी की पहचान हासिल कर सके। मेले में आए सभी स्व सहायता समूह की दीदियों को उपमुख्यमंत्री ने उनके व्यवसाय के लिए शुभकामनाएं दी और उम्मीद जताई कि इस आयोजन से क्षेत्र की जनता को लाभ होगा।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रदेश की महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। प्रदेश में 2 लाख 69 हजार से अधिक महिला स्व सहायता समूह संचालित हैं, जिनसे लगभग 30 लाख महिलाएं जुड़ी हुई हैं। इन समूहों से जुड़ने के बाद महिलाओं के आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है उन्होंने बताया कि शासन द्वारा दीदी के गोठ कार्यक्रम का भी संचालन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से स्व सहायता समूह की महिलाएं अपने नवाचारी कार्यों को साझा करती हैं। यह कार्यक्रम हिंदी के साथ-साथ गोंडी और हल्बी भाषा में भी संचालित किया जा रहा है, जिससे बस्तर अंचल की महिलाएं भी इसे आसानी से समझ पा रही हैं। इससे प्रदेशभर में महिलाओं द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की जानकारी एक-दूसरे तक पहुंच रही है। प्रदेश में 300 महतारी सदनों का निर्माण भी किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सरकार महिलाओं और बुजुर्गों को मिलने वाली पेंशन राशि अब उनके गांव में ही उपलब्ध कराने की व्यवस्था कर रही है। इसके लिए हर ग्राम पंचायत में अटल डिजिटल सेवा केंद्र खोले जा रहे हैं। उन्होंने बनासकांठा के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि वहां सहकारी (कॉपरेटिव) मॉडल के माध्यम से महिलाएं बड़े उद्योगों से जुड़कर व्यापक स्तर पर दुग्ध उत्पादन कर रही हैं और आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में भी स्व सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं छोटे बड़े उद्योगों का संचालन कर सकती हैं। उन्होंने आगे बताया कि सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों के विपणन को बढ़ावा देने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म एप्लीकेशन विकसित करने की तैयारी की जा रही है। इस एप के माध्यम से आम नागरिक सीधे महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित सामग्री को आसानी से खरीद सकेंगे, जिससे महिलाओं को बेहतर बाजार उपलब्ध होगा

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। इन आवासों के निर्माण में अब महिला स्व सहायता समूह की महिलाएं डीलर दीदी के रूप में जुड़कर छड़ और सीमेंट की सब-डीलर बन रही हैं। इसके साथ ही वे सेंट्रिंग प्लेट निर्माण जैसे कार्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि आज सरस मेला में बैंक लिंकेज के तहत 10 करोड़ रुपए की राशि का अंतरण किया जाएगा।

राज्यसभा में उठा रायपुर एम्स का मुद्दाः डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा अस्पताल, बेड बढ़ाने की मांग

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित एम्स में डॉक्टरों और स्टाफ की कमी का मुद्दा अब संसद तक पहुंच गया है। राज्यसभा में कांग्रेस सांसद फूलोदेवी नेताम ने शून्यकाल के दौरान अस्पताल की स्थिति पर चिंता जताते हुए जल्द रिक्त पद भरने और बिस्तरों की संख्या बढ़ाने की मांग की। सांसद ने कहा कि समय पर इलाज न मिलना, इलाज न मिलने के बराबर है, और फिलहाल रायपुर एम्स में यही स्थिति देखने को मिल रही है। उन्होंने बताया कि यहां गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पा रहा है।

आंकड़ों के अनुसार, एम्स रायपुर में डॉक्टरों के 305 स्वीकृत पद हैं, लेकिन वर्तमान में केवल 190 चिकित्सक ही कार्यरत हैं, जबकि 115 पद खाली हैं। सबसे ज्यादा कमी कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी और सर्जरी विभाग में देखी जा रही है। वहीं, नर्सिंग, तकनीकी और प्रशासनिक स्टाफ के कुल 3,884 पदों में से केवल 2,387 कर्मचारी ही कार्यरत हैं, जबकि 1,497 पद अब भी रिक्त हैं।

सांसद ने बताया कि स्टाफ की कमी के चलते ओपीडी में लंबी कतारें लग रही हैं, साथ ही ऑपरेशन और जांच में भी देरी हो रही है। इतना ही नहीं, गंभीर मरीजों को भर्ती करने के लिए बेड की कमी का हवाला देकर वापस भी भेजा जा रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि एम्स रायपुर में डॉक्टरों और अन्य स्टाफ के सभी खाली पदों को जल्द भरा जाए और अस्पताल में बेड की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि मरीजों को समय पर और बेहतर इलाज मिल सके।

100 दिवसीय टीबी पहचान एवं उपचार अभियान का हुआ शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। विश्व क्षय दिवस के अवसर पर को टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत कोरबा जिले में 100 दिवसीय विशेष पहचान एवं उपचार अभियान का शुभारंभ आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में छत्तीसगढ़ शासन के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अभियान के तहत जिले में टीबी के संभावित मरीजों एवं उच्च जोखिम वाले समूहों की पहचान कर उनकी समय पर जांच एवं उपचार सुनिश्चित करना है, ताकि टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्रभावी रूप से प्राप्त किया जा सके।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में टीबी को जड़ से समाप्त करने का अभियान स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सतत प्रयासों से प्रदेश में गांव से लेकर शहर तक टीबी की रोकथाम एवं उपचार के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं तथा मरीजों के लिए निःशुल्क उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि कोरबा जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सार्वजनिक उपक्रमों के सहयोग से टीबी उन्मूलन की दिशा में सशक्त अभियान चलाया जा रहा है।

निक्षय निरामय मित्र जैसी पहल के माध्यम से टीबी मरीजों की पहचान एवं उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है। मंत्री देवांगन ने बताया कि जिले में टीबी मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है और वर्तमान में 101 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित हो चुकी हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निरंतर प्रयासों से जल्द ही कोरबा जिले को पूर्णतः टीबी मुक्त बनाया जा सकेगा।

उन्होंने आमजन से अपील की कि टीबी के लक्षणों की प्रारंभिक अवस्था में ही पहचान कर तुरंत जांच एवं उपचार कराएं। जिले के सभी शासकीय एवं निजी अस्पतालों में उपचार की पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हैं।

श्री देवांगन ने टीबी मरीजों के उपचार में परिवार, समाज एवं सामाजिक संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हुए सभी से सहयोग करने तथा टीबी मुक्त कोरबा बनाए रखने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। इस दौरान मंत्री देवांगन ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगो को टीबी मुक्त भारत बनाने हेतु योगदान देने का शपथ दिलाया।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा की नई अलख

श्रीकंचनपथ समाचार

सुकमा। नक्सलवाद के काले साये को पीछे छोड़ते हुए छत्तीसगढ़ के अंदरूनी इलाकों में शिक्षा का उजाला एक बार फिर तेजी से फैल रहा है। शासन द्वारा जारी ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, सलवा जुडूम आंदोलन के दौरान नक्सलियों के दहशत से बंद हुए सुकमा जिले के सैकड़ों स्कूलों के दरवाज़े अब बच्चों के लिए पूरी तरह खुल चुके हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार की नियद नेल्लानार योजना से शिक्षा व्यवस्था को नई मज़बूती मिल रही है। दस्तावेज़ के मुताबिक, वर्ष 2006 में माओवादी प्रभाव और सलवा जुडूम आंदोलन के कारण कुल 123 स्कूल बंद हो गए थे। इनमें 101 प्राथमिक और 21 माध्यमिक शालाएं शामिल थीं। प्रशासन के निरंतर प्रयासों से इन सभी स्कूलों को पुनः प्रारंभ कर दिया गया है। सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि वर्तमान में ऐसे स्कूलों की संख्या शून्य है, जो पूर्व में माओवादी प्रभाव के कारण बंद थे। शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और दूरस्थ इलाकों के छात्रों के भविष्य को देखते हुए आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों का जाल बिछाया गया है। पोटा केबिन (आवासीय विद्यालय) वर्तमान में 16 पोटा केबिन संचालित हैं, जिनमें 6,722 छात्र दर्ज हैं। छात्रावास सुविधा 16 पोटा केबिन छात्रावासों में 1,389 विद्यार्थी रहकर अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे हैं। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय टाइप-3 के 3 विद्यालयों में 600 छात्राएं और टाइप-4 के 2 छात्रावासों में 200 छात्राएं लाभान्वित हो रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में वर्ष 2024-25 में विकास की गति को और तेज करते हुए नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत शामिल गांवों में 07 नवीन प्राथमिक शालाएं खोली गई हैं। इन स्कूलों में अब तक 210 बच्चों ने प्रवेश लिया है। भविष्य की कार्ययोजना को देखते हुए प्रशासन ने 19 और नए स्कूल खोलने का प्रस्ताव तैयार किया है। जमीनी स्तर पर आ रहे ये बदलाव न केवल बच्चों का भविष्य संवार रहे हैं, बल्कि इन क्षेत्रों में विश्वास की एक नई किरण भी जगा रहे हैं। शासन ने 'पहले' और 'अब' की तस्वीरों के साथ विकास के इस परिवर्तन को प्रमाणित भी किया है।

विकास कार्यों की रफ्तार तेज करने सख्त निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। जिले में विकास कार्यों को तेज गति देने के लिए कलेक्टर संबित मिश्रा ने साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में विभिन्न विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सड़क, बिजली, पानी, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों और नक्सल पीड़ित परिवारों पर विशेष फोकस करते हुए कहा कि आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन की योजनाओं से जोड़ने हेतु आवश्यक दस्तावेज सरलता से उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही नियद नेल्लानार क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास और हितग्राही मूलक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। बैठक में आश्रम छात्रावास एवं आवासीय शैक्षणिक संस्थानों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों को भोजन, स्वच्छता और स्वास्थ्य जांच की सतत रिपोर्टिंग करने को कहा गया। वहीं बालिका आवासीय विद्यालयों में सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सीसीटीव्ही कैमरे और बाउंड्री वॉल अनिवार्य करने तथा जहां यह सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां तत्काल प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि जिले के सभी विकासखंडों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा निर्धारित तिथियों में जांच एवं उपचार किया जा रहा है। कलेक्टर ने सीएमएचओ डॉ. बी.आर. पुजारी को निर्देशित किया कि विशेषज्ञों की उपस्थिति की जानकारी समयपूर्व संबंधित क्षेत्रों तक पहुंचाई जाए।

बस्तर का समग्र विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता- मंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने विकास की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि बस्तर का समग्र विकास केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे धरातल पर उतारना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों की राह में आने वाली हर बाधा को दूर करना उनका लक्ष्य है।

मंत्री केदार कश्यप ने आज नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बस्तर विकासखंड में विकास की नई इबारत लिखी। उन्होंने क्षेत्र के सघन दौरे के दौरान मुरकुची और पखना कोंगेरा में आयोजित भव्य कार्यक्रमों मंस शिरकत की, जहाँ उन्होंने विधायक निधि से स्वीकृत कुल 56 लाख रूपए की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन कर ग्रामीणों को बड़ी सौगात दी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 10 महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई, जिससे स्थानीय स्तर पर आवागमन और सामुदायिक सुविधाओं में व्यापक सुधार सुनिश्चित होगा।

जनसमूह को संबोधित करते हुए मंत्री कश्यप ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पुलियाओं का निर्माण केवल ईंट और सीमेंट का ढांचा नहीं है, बल्कि यह गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने वाली जीवनरेखा है। उन्होंने पूर्ववर्ती कठिनाईयों का स्मरण कराते हुए कहा कि बरसात के दिनों में छोटे-छोटे नालों के उफान पर होने के कारण ग्रामीणों, विशेषकर स्कूली बच्चों और मरीजों को जो परेशानियां झेलनी पड़ती थीं, अब ये नई पुलियाएं उन समस्याओं का स्थायी समाधान बनेंगी।

वन मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचाना ही सुशासन की असली पहचान है। उन्होंने पुल-पुलिया के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि ये निर्माण कार्य स्थानीय परिवहन को सुगम बनाएंगे और कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने में किसानों की मदद करेंगे। साथ ही तारागांव में सामुदायिक भवन के निर्माण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए गांवों में सुरक्षित और पक्के भवनों का होना अनिवार्य है, ताकि ग्रामीण समाज एकजुट होकर अपनी परंपराओं का निर्वहन कर सके।

मंत्री कश्यप ने ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए अपील की कि वे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर स्वयं भी नजर रखें, क्योंकि यह संपत्ति उनकी अपनी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नारायणपुर विधानसभा के हर कोने में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार निरंतर जारी रहेगा और धन की कमी को कभी विकास में बाधक नहीं बनने दिया जाएगा।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष बघेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

रायपुर स्टेशन पर जल्द मिलेगी ऐप से कुली बुकिंग सुविधा

यात्रियों से लिया जा रहा फीडबैक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रेलवे यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रायपुर रेल मंडल एक नई पहल पर काम कर रहा है। जल्द ही यात्रियों को मोबाइल ऐप के जरिए कुली बुक करने की सुविधा मिल सकती है। इस व्यवस्था के लिए एक विशेष एप तैयार किया जा रहा है, जिसमें कुलियों की पूरी जानकारी और निर्धारित किराया पहले से दर्ज रहेगा।

इस नई प्रणाली के लागू होने के बाद यात्री ट्रेन के स्टेशन पहुंचने से पहले ही कुली बुक कर सकेंगे। ट्रेन के आते ही कुली सीधे संबंधित कोच और सीट तक पहुंचेंगे, जिससे यात्रियों को स्टेशन पर कुली ढूंढने की परेशानी से राहत मिलेगी। रेलवे का मानना है कि इस सुविधा से ओवरचार्जिंग और किराए को लेकर होने वाली मोलभाव की समस्या भी काफी हद तक खत्म हो जाएगी।

फिलहाल, इस योजना को लागू करने से पहले रेलवे यात्रियों से फीडबैक ले रहा है। इसके लिए स्टेशन पर क्यूआर कोड के माध्यम से सर्वे कराया जा रहा है।

इस सर्वे में यात्रियों से उनकी यात्रा की आवृत्ति, कुली सेवा के उपयोग, कुली ढूंढने में आने वाली दिक्कतें, किराए की पारदर्शिता, ऑनलाइन बुकिंग से होने वाली सुविधा और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर राय ली जा रही है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों के सुझावों के आधार पर इस एप को और बेहतर बनाया जाएगा, ताकि भविष्य में यह सेवा अधिक सुविधाजनक और पारदर्शी बन सके।

खास खबर

कवर्धा के राइस मिल में लगी भीषण आग

कवर्धा। जिले के हरिनछपरा क्षेत्र स्थित एक राइस मिल में सोमवार को अचानक भीषण आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के लोग घबरा गए और मौके पर भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू कर दिया। स्थानीय लोग भी राहत कार्य में जुटकर आग पर काबू पाने में सहयोग कर रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, जो राहत की बात है। आग की भयावहता को देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन आसपास के इलाके को खाली कराने की तैयारी शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, आग पर पूरी तरह काबू पाने के प्रयास जारी हैं और जल्द ही आग लगने के कारणों की जांच कर स्पष्ट जानकारी दी जाएगी।

नेशनल हाईवे के बीच में कार खड़ी कर शराब पार्टी

बिलासपुर। सकरी थाना क्षेत्र में देर रात नेशनल हाईवे पर बीच सड़क कार खड़ी कर शराब पार्टी करना युवाओं को महंगा पड़ गया। पुलिस ने मौके से 3 युवक और 1 युवती को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, 22 मार्च की रात करीब 11:50 बजे सम्बलपुरी ओवरब्रिज पर काले रंग की कार बीच सड़क खड़ी कर जाम लगाया गया था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार में सवार युवाओं को शराब पीते हुए पकड़ा। जांच में वाहन से केक और खाने-पीने का सामान भी बरामद हुआ, पूछताछ में जन्मदिन पार्टी मनाने की बात सामने आई। एल्कोमीटर जांच में सभी के शराब सेवन की पुष्टि हुई। आरोपियों की पहचान कोरबा निवासी निहाल साडिल्य, अतुल वर्मा, प्रियांशु चौरासिया और बिलासपुर निवासी आदिती भंडारी के रुप में हुई है। पुलिस ने सभी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 285, 3(5) और मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। हाईवे पर इस तरह की लापरवाही को देखते हुए पुलिस ने सख्त चेतावनी दी है कि नशे में वाहन चलाने और सड़क पर अव्यवस्था फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

मेकाहारा अस्पताल से सजायाफ्ता कैदी फरार हथकड़ी समेत भागा आरोपी

रायपुर। राजधानी रायपुर के मेकाहारा अस्पताल से एक सजायाफ्ता कैदी के फरार होने का मामला सामने आया है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोपी इलाज के दौरान जेल प्रहरियों को चकमा देकर हथकड़ी समेत फ़रार हो गया। फरार कैदी की पहचान साहेब कुमार ताती के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। वह हत्या के प्रयास के मामले में सजा काट रहा था और पिछले तीन वर्षों से रायपुर सेंट्रल जेल में बंद था। जानकारी के अनुसार, कैदी को इलाज के लिए मेकाहारा अस्पताल लाया गया था। इसी दौरान उसने मौके का फायदा उठाया और सुरक्षा में तैनात जवानों को चकमा देकर फरार हो गया। मौदहापारा थाना प्रभारी मुकेश शर्मा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीम सक्रिय कर दी गई है और आसपास के क्षेत्रों में सघन जांच की जा रही है। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब जेल से जुड़े कैदी फरार हुए हैं। इससे पहले भी सुरक्षा में चूक के चलते इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

किराना कारोबारी से 4.65 लाख की ठगी, 6 किश्तों में निकाले पैसे

एपीके फाइल भेजा, क्लिक करते ही मोबाइल हैक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के न्यू राजेंद्र नगर इलाके में एक किराना कारोबारी से साइबर ठगों ने 4.65 लाख की ठगी की है। ठगों ने 'एपीके फाइल' के जरिए कारोबारी का मोबाइल हैक कर लिया और महज 24 घंटे के भीतर उनके 6 बैंक खातों से 4 लाख 65 हजार रुपए पार कर दिए।

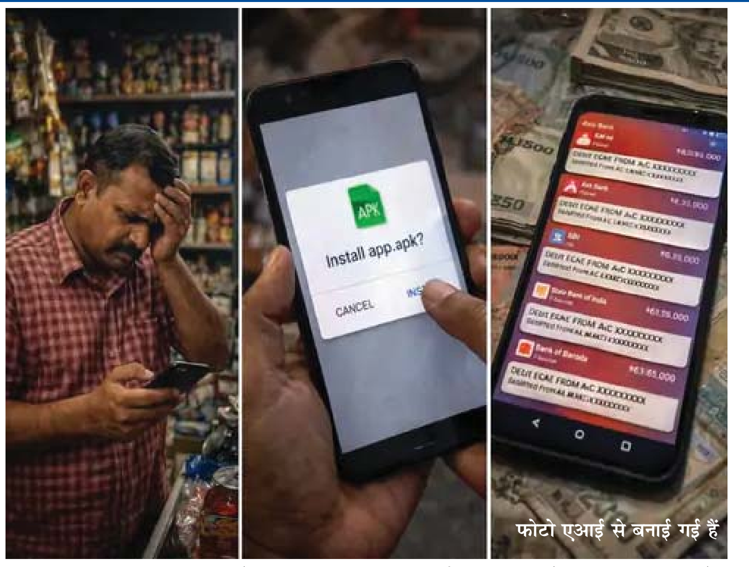

फोटो एआई से बनाई गई हैं

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पीड़ित कारोबारी का नाम कमल शादिजा बताया जा रहा है।

पीड़ित कारोबारी कमल शादिजा ने पुलिस को बताया कि, वो राजेंद्र नगर इलाके में कमल ट्रेडर्स के नाम से किराना दुकान चलाता है। 10 मार्च 2026 की सुबह उनके मोबाइल पर एक अनजान लिंक आया था।

जैसे ही उन्होंने उस एपीके फाइल पर क्लिक किया, उनका फोन हैक हो गया। इसके बाद ठगों ने उनके मोबाइल से लिंक यूपीआई, गूगल पे और पेटीएम का एक्सेस हासिल कर लिया।

हैकर्स ने 10 मार्च से 11 मार्च के बीच पीड़ित के एक्सिस बैंक, एसबीआई और बैंक ऑफ बड़ौदा के खातों में सेंध लगाई और 4,65,000 रुपए अकाउंट से निकाल लिए।

कारोबारी को मैसेज आया, तो उन्होंने डर के मारे अपना मोबाइल फॉर्मेट कर दिया और घटना की जानकारी पुलिस को दी है। पुलिस ने कारोबारी की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने अननोन लिंक ना खोलने की दी सलाह

पुलिस अधिकारियों ने किसी भी अनजान नंबर से आए एपीके फाइल या शॉर्ट लिंक पर क्लिक न करने की सलाह दी है। पुलिस के अनुसार, ये फाइलें आपके फोन में 'मिररिंग ऐप' या 'रिमोट एक्सेस' सॉफ्टवेयर इंस्टॉल कर देती हैं।

जिससे ठग घर बैठे आपके ओटीपी (ओटीपी) और बैंक डिटेल्स देख लेते हैं। पुलिस अधिकारियों ने घटना होने पर स्थानीय पुलिस 1930 नंबर पर कॉल करने और www.cyber-crime.gov.in पर शिकायत करने की सलाह दी है।

करोड़ों की ठगी करने वाला चिटफंड कंपनी के डायरेक्टर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। आपने सुना होगा कि भगवान के घर देर है अंधेर नहीं । चिटफंड कंपनी के डायरेक्टर राजीव गुप्ता के साथ ऐसा ही हुआ जब उसके द्वारा कोरबा जिले के लोगों से करोड़ों की ठगी की गई और मौज करने के लिए विदेश भाग रहा था। उसे पुलिस ने दबोच लिया। कोरबा पुलिस ने उसे दिल्ली से यहां ले आया है और अगली कार्रवाई की जा रही है।

कोरबा के एडिशनल एसपी लखन पटले ने बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट से आरोपी राजीव गुप्ता को ठगी के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया । कोरबा जिले में एक चिटफंड कंपनी के द्वारा लोगों को कई प्रकार के सपने दिखाए और रुपया जमा कराए गए। फिर योजनाबद्ध तरीके से ठगी की गई । कई लोगों ने इस कारनामे को लेकर पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई थी जिस पर प्रकरण दर्ज किया गया और जांच पड़ताल शुरू की गई। दर्री थाना क्षेत्र अंतर्गत रहने वाले स्थानीय लोगों ने वर्ष 2016 में थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि एक चिट फंड कंपनी द्वारा करोड़ों रुपए की ठगी की गई।

पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर लगभग 5 करोड़ 60 लख रुपए की ठगी किए जाने की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था। प्रकरण में चिट फंड कंपनी के डायरेक्टर अतुल सिंह का पार्टनर ग्वालियर निवासी राजीव गुप्ता पिता लच्छी राम गुप्ता के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया था। राजीव गुप्ता लंबे समय से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ जिला पुलिस ने लुक आउट नोटिस जारी किया था।

बताया जाता है कि राजीव गुप्ता विगत दिनों दिल्ली एयरपोर्ट से मलेशिया भागने के फिराक में लगा हुआ था, जैसे ही वह एयरपोर्ट पहुंचा स्थानीय पुलिस ने उसे धरदबोचा। इसकी सूचना कोरबा पुलिस को दी गई। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले के द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम गठित कर दिल्ली भेजी गई। बताया कि स्थानीय पुलिस ने दिल्ली से आरोपी राजीव गुप्ता को गिरफ्तार कर कोरबा लाया है। प्रकरण में पूछताछ के साथ संबंधित कार्रवाई की जाएगी।

ड्रंक एंड ड्राइव: 645 केस में सिर्फ 52 के लाइसेंस निरस्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले में सड़क हादसों का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। सबसे बड़ी वजह ड्रिंक एंड ड्राइव सामने आ रही है। इसके बावजूद कार्रवाई के बाद भी लाइसेंस निरस्तीकरण में अपेक्षित सख्ती नहीं दिख रही।

बीते 26 महीनों में पुलिस और ट्रैफिक विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 645 लोगों पर ड्रिंक एंड ड्राइव के प्रकरण दर्ज किए। इन सभी मामलों में चालानी कार्रवाई कर लाइसेंस निरस्त करने के लिए न्यायालय भेजा गया, लेकिन हैरानी की बात यह है कि इतने मामलों में सिर्फ 52 लोगों के ही लाइसेंस निरस्त किए गए।

सड़क हादसों के आंकड़े भी डराने वाले हैं। वर्ष 2026 के जनवरी और फ़रवरी माह में ही 134 सड़क हादसे हो चुके हैं, जिनमें 77 लोगों की मौत और 121 लोग घायल हुए हैं। वहीं वर्ष 2025 में 743 हादसों में 415 लोगों की जान गई और 679 लोग घायल हुए। बढ़ते हादसों को लेकर विधानसभा में भी सवाल उठ चुके हैं।

तीन साल में 61 लाख का जुर्माना: ट्रैफिक विभाग के अनुसार नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। वर्ष 2024 में 286 प्रकरणों में 27.10 लाख रुपए, 2025 में 270 प्रकरणों में 26.45 लाख रुपए और 2026 में अब तक 89 प्रकरणों में 7.05 लाख रुपए का जुर्माना वसूला गया है। इन मामलों में 264 प्रकरण न्यायालय भेजे गए हैं।

संयुक्त कार्रवाई हो रही ट्टजिले में सड़क हादसों की प्रमुख वजह भारी वाहनों का दबाव और नशे में ड्राइविंग है। हादसे रोकने ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर सुधार किए जा रहे हैं और ड्रिंक एंड ड्राइव पर रोज संयुक्त कार्रवाई हो रही है।

नशे में ड्राइविंग से मौत पर लगेगा गैर-इरादतन-हत्या का केस

बिलासपुर में इस साल हादसे में 71 लोगों की मौत, पिछले साल 33 मौतें हुई थी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में सड़क दुर्घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसके मद्देनजर पुलिस प्रशासन सख्त कदम उठा रहा है। एसएसपी रजनेश सिंह ने घोषणा की है कि नशे की हालत में वाहन चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं में अगर किसी की मौत होती है, तो संबंधित चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जाएगा।

उन्होंने यह भी बताया कि ऐसी दुर्घटनाओं में निर्दोष लोगों की जान चली जाती है और बीमा क्लेम भी नहीं मिलता। जारी आकंड़ों के मुताबिक, इस साल साल तक 71 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 33 लोगों की मौत हुई थी। यह दर्शाता है कि इस साल सड़क दुर्घटनाओं में दोगुनी से अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

कार अनियंत्रित होकर पलटी, युवक की मौत

हाल ही में जिले में दो प्रमुख दुर्घटनाएं सामने आई हैं। पहली घटना पचपेड़ी थाना क्षेत्र के महादेवा तालाब के पास हुई, जहां एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में कार सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया कि कार में तीन भाई सवार थे और यह दुर्घटना सामने से आ रहे एक बाइक सवार को बचाने के प्रयास में हुई।

हाइवा का टायर फटा, वाहन पलटा

दूसरी घटना बिलासपुर-मुंगेली मुख्य मार्ग पर पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास हुई। यहां एक हाइवा वाहन का टायर फटने के बाद वह अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। राहत की बात यह रही कि दुर्घटना के समय सड़क पर यातायात कम था, जिससे किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

स्थानीय लोगों में नाराजगी

लगातार हो रहे इन हादसों से स्थानीय लोगों में काफी नाराजगी है। उनका कहना है कि सड़कों की खराब हालत, अंधे मोड़, संकेतक बोर्ड की कमी और सड़क पर मवेशियों की मौजूदगी भी दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बन रही है।

एक्ट, एन कार्ड और सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

सड़क सुरक्षा को लेकर कलेक्टर संजय अग्रवाल की ओर से बुलाई गई कोटपा एक्ट, एन कार्ड और सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में एसएसपी सिंह ने चिंताजनक आंकड़े प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि चालू तिमाही में सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

1000 वाहन जब्त, नशे से दूर रहने की अपील

एसएसपी रजनेश सिंह का कहना है कि ज्यादातर सड़क दुर्घटनाएं नशे की हालत में वाहन चलाने से हो रही हैं। उन्होंने बताया कि नशे की हालत में वाहन चलाने के मामले में अब तक 1000 वाहन जब्त किए जा चुके हैं।

एसएसपी ने कहा कि लगातार कार्रवाई के बावजूद लोग लापरवाही बरत रहे हैं। नशे की हालत में वाहन चलाने से खुद के साथ दूसरों की जान भी खतरे में पड़ती है, इसलिए नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने की अपील उन्होंने जनसामान्य से की। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यातायात नियमों का पालन करें और नशे में वाहन चलाने से बचें। वहीं स्थानीय लोग सड़क सुधार और सुरक्षा उपायों की मांग कर रहे हैं। ऐसे में जरूरत है सख्ती और जागरूकता दोनों की, ताकि इन हादसों पर लगाम लगाई जा सके।

धार्मिक बैनर फाड़ने वाला 71 वर्षीय बुजुर्ग गिरफ्तार, पुलिस ने न्यायिक रिमांड पर भेजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जिले के चांपा थाना क्षेत्र में एक धार्मिक बैनर फाड़ने के आरोप में 71 वर्षीय बुजुर्ग राजेश वाल्टर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। उस पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप है। यह घटना भोजपुर के समलाई मंदिर के पास हुई। 15 मार्च को योगेश देवांगन ने चांपा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि भागवत कथा के आयोजन के लिए मंदिर के प्रवेश द्वार के सामने मुख्य मार्ग पर एक धार्मिक बैनर लगाया गया था।

71 वर्षीय बुजुर्ग ने बैनर फाड़ा

देवांगन के अनुसार, कलश यात्रा के दौरान बैनर सही सलामत था। हालांकि, जब श्रद्धालु हसदेव नदी से जल भरकर लौटे, तो उन्होंने देखा कि पोस्टर फटा हुआ था। आसपास पूछताछ करने पर पता चला कि राजेश वाल्टर ने ही बैनर फाड़ा था, जिससे हिंदू धर्म की आस्था को ठेस पहुंची। चांपा पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 298 के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान आरोपी राजेश वाल्टर ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

राहगीरों पर लोहे की रॉड से हमला कर लूट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर। जिले के शिवरीनारायण और पामगढ़ थाना क्षेत्रों में राहगीरों के लिए खौफ का सबब बने लुटेरों के गिरोह के मुख्य सरगना को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने ग्राम राहौद निवासी रामनाथ गोंड उर्फ रामनाथ सबरिया (23 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर सुनसान रास्तों पर लोहे की रॉड और पाइप से हमला कर लूटपाट की वारदातों को अंजाम देता था। गिरोह बाइक पर सवार होकर रात के समय सक्रिय होता था। इनका मुख्य निशाना वे राहगीर होते थे जो अकेले या सुनसान रास्तों से गुजरते थे। आरोपी उन्हें रोककर लोहे की रॉड, पाइप और डंडों से ताबड़तोड़ हमला करते थे और घायल अवस्था में छोड़कर उनके नकदी व मोबाइल लूटकर फरार हो जाते थे। इस गिरोह ने जनवरी में लगातार 6 वारदातों को अंजाम दिया था।

बिलासपुर में हुआ बड़ा भू घोटाला मृत को जिंदा बता कर हड़पी जमीन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। सिरगिट्टी क्षेत्र में भू-माफियाओं द्वारा बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। आरोप है कि माफियाओं ने 95 वर्षीय मृत बुजुर्ग को रिकॉर्ड में 46 साल का जिंदा व्यक्ति दिखाकर उसकी जमीन की रजिस्ट्री कर दी। इतना ही नहीं, उसकी जाति भी बदल दी गई और फर्जी व्यक्ति को असली मालिक बनाकर जमीन बेच दी गई। सिरगिट्टी क्षेत्र के पुराने भू-अभिलेख (मिसल 1928) में करीब 30 डिसमिल जमीन कौशल प्रसाद (ब्राह्मण) और उसके भाइयों के नाम दर्ज थी। यह जमीन एडवोकेट राजीव दुबे के परिवार की पैतृक संपत्ति है, जिसमें वर्षों से न नामांतरण हुआ था और न ही फौती कटी थी। लेकिन वर्ष 2022 में अचानक यह जमीन कौशल प्रसाद सूर्यवंशी (46) के नाम पर दर्ज हो गई, जिससे परिवार के लोग चौंक गए। राजस्व रिकॉर्ड और रजिस्ट्री दस्तावेज निकलवाने पर पता चला कि फर्जी दस्तावेज तैयार कर मृत व्यक्ति को जिंदा दिखाया गया और उसकी पहचान बदलकर जमीन अपने नाम कर ली गई। बाद में पावर ऑफअटॉर्नी के जरिए यह जमीन रमेश पांडेय को बेच दी गई।

एसडीएम ने लिया संज्ञान

मामले की शिकायत मिलने पर एसडीएम मनीष साहू ने जांच शुरु कर दी है। प्रारंभिक जांच में कूटरचना और फर्जी रिकॉर्ड तैयार करने की पुष्टि हुई है। तहसीलदार को विस्तृत जांच के निर्देश दिए गए हैं और जल्द ही एफआईआर दर्ज होने की बात कही गई है।

प्रशासन की चेतावनी

एसडीएम मनीष साहू ने स्पष्ट कहा है कि जांच में यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की भूमिका सामने आती है, तो उनके खिलाफ भी सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। बिलासपुर में भू-माफियाओं का यह संगठित गिरोह राजस्व व्यवस्था की खामियों का फायदा उठाकर बड़ी धोखाधड़ी को अंजाम दे रहा है। प्रशासन की कार्रवाई से इस पूरे नेटवर्क का खुलासा होने की उम्मीद है।

रायगढ़ में हाथियों ने किसानों की फसल रौंदी

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में हाथियों का दल रात के समय खेतों तक पहुंचने लगा है। खेतों में लगी धान की फसल को भारी नुकसान हो रहा है। धरमजयगढ़ वन मंडल में हाथियों ने 8 किसानों की फसल रौंदकर खराब कर दिया। वहीं जिले के जंगलों में 101 हाथी विचरण कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार धरमजयगढ़ वन मंडल में 98 हाथियों का दल अलग-अलग जंगलों में विचरण कर रहा है। सोमवार की रात को हाथियों का दल ग्रामीणों के खेतों में घुस गया और 8 किसानों की धान की फसल को नुकसान हुआ। लेकिन हाथी वहीं डटे रहे और काफी फसल को नुकसान करने के बाद सुबह होने से पहले जंगल की ओर चले गए। नुकसान हुई फसल का आंकलन वन अमला कर रहा है, उसके बाद मुआवजा की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

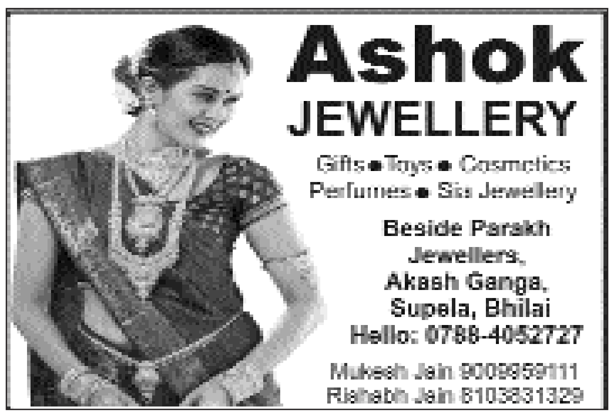

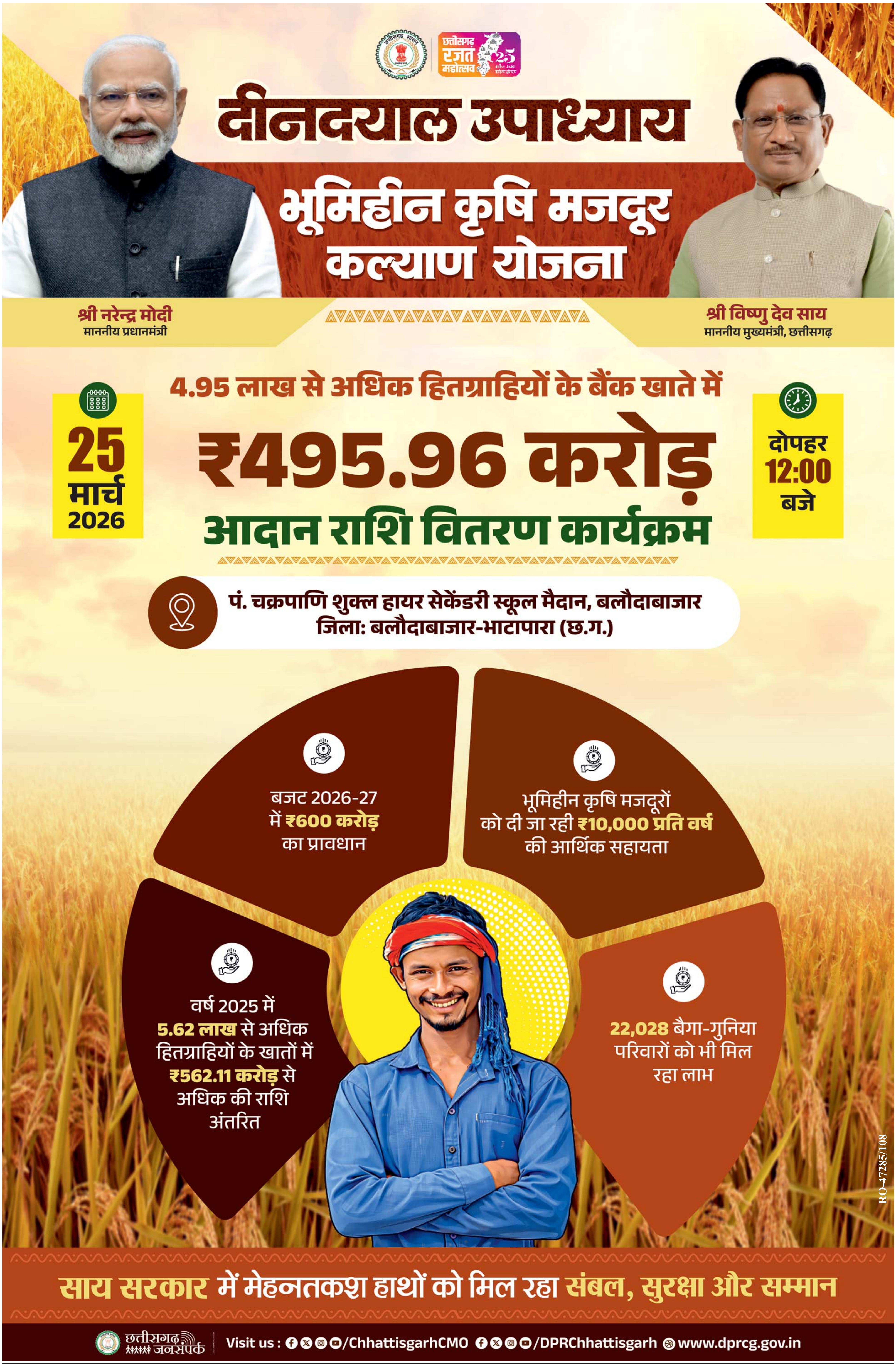

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950